■ वैशाख कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 261 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 21-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडि' गठबंधन जारी रहेगा : अखिलेश यादव

6 मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

7 एक छोर पर विकेट नहीं गंवाने का फायदा मिल रहा है : कोहली

फर्स्ट टेक

पुलिस थाना परिसर में लगी आग में 40 से अधिक जब्त वाहन जलकर खाक

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। पलामू जिले के मेदिनीनगर टाउन पुलिस थाना परिसर में खड़ी 40 से अधिक जब्त गाड़ियां रविवार को आग लगने से जलकर खाक हो गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। प्रभारी अधिकारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि आग लगने का वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल सका है, लेकिन शॉर्ट सर्किट को इसका कारण माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस थाना परिसर में लगी आग में क्षतिग्रस्त वाहनों में मोटरसाइकिल, बस और ऑटोरिक्शा शामिल हैं। आगे की जांच जारी है।

राहुल गांधी अमेरिका पहुंचे, ब्राउन यूनिवर्सिटी में देंगे भाषण

न्यूयॉर्क/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अमेरिका पहुंच गए हैं। अमेरिका पहुंचने के बाद गांधी ने यहां कारोबारियों और प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शनिवार को अमेरिका पहुंचे। वह 21-22 अप्रैल को रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के प्रमुख सैम पित्रोदा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''युवाओं, लोकतंत्र और बेहतर भविष्य की आवाज...राहुल गांधी, आपका अमेरिका में स्वागत है। आइए सुनें, सीखें और साथ मिलकर निर्माण करें।'' पित्रोदा ने रविवार को एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी ने भारत की कारोबारी प्रतिभाओं के साथ सार्थक बातचीत की।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्य गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल घाटी के कई जिलों से पिछले 48 घंटों में कई प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पाम्बेई) के दो कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्व जिले के नोंगदम गांव के पास नापेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे कथित तौर पर जबरन वसूली में संलिप्त थे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग वार्ड नंबर 13 से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया।

21-04-2025 सूर्यास्त 6:22 बजे	22-04-2025 सूर्योदय 6:52 बजे

BSE	NSE
78,553.20 (+1,508.91)	23,851.65 (+414.45)

सोना	चांदी
9,312 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ईडी धरम

हो हल्ला मचा हुआ भारी,
क्यों प्रश्न पूछता है ईडी।
सब देख रही है जनता भी,
आख़िर क्यों सरकारें नीडी।
ना आंच सांच को आएगी,
बनवा लो इसकी भी सीडी।
लीडर को डर है कांहे का,
कह दो सच को बन कर लीडी।।

पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश मृत पाए गए, हत्या का शक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश (68) रविवार को बेंगलूरु के एचएसआर लेआउट स्थित अपने आवास में रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत पाए गए। शव पर चोटों के निशान होने के कारण शक है कि उनकी हत्या की गई। उनकी पत्नी संदेह के घेरे में है। यह भी कहा जा रहा है कि उन पर चाकू से वार किया गया था। बताया गया कि ओम प्रकाश का शव तीन मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर खून से लथपथ पड़ा था। उनकी पत्नी पल्लवी ने पुलिस को सूचित किया था। उन्हें हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ के लिए एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन ले जाया गया। ओम प्रकाश की बेटी से भी पूछताछ हो रही है।

कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि पल्लवी ने एक अन्य सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की पत्नी को वीडियो कॉल किया, जिसमें घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ओम प्रकाश की हत्या कर दी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास ने संवाददाताओं को बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे पुलिस को घटना की सूचना मिली और गश्ती वाहन मौके पर पहुंचा। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश के बेटे ने पुलिस को शिकायत दी है, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है और उसके अनुसार मामले की जांच की जाएगी।

'हत्या' के बारे में पूछे गए सवाल पर पुलिस अधिकारी ने कहा, 'मारपीट हुई है। हथियार का इस्तेमाल किया गया है। आगे की जांच के बाद हमें विस्तृत जानकारी मिल सकेगी।' जब पूछा गया कि क्या परिवार के सदस्य इसमें शामिल हैं, तो उन्होंने कहा, 'ये बातें जांच के बाद ही पता चलेंगी। अभी प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद हम पूरी घटना के बारे में बता पाएंगे।' उन्होंने कहा, 'फिलहाल हमने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है।'

जान को खतरा बताया था?

खबरों में कहा गया है कि सेवानिवृत्त डीजीपी ने पहले भी अपने कुछ करीबी सहयोगियों से अपनी जान को खतरा होने की बात कही थी। बताया जाता है कि दंपति के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा था। पल्लवी ने पहले भी ओम प्रकाश के सहकर्मियों से शिकायत की थी कि वे उन्हें जान से मारना चाहते हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले, राज्य के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की पत्नियों के एक वॉट्सऐप ग्रुप में कथित तौर पर पोस्ट डाली थी कि उनके पति उन्हें जहर देकर मारना चाहते हैं।

दरवाजा खोलने से इन्कार!

पल्लवी को ही घटना का मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची तो पल्लवी ने दरवाजा खोलने से इन्कार कर दिया था, जिससे शक और बढ़ गया। दंपति में झगड़े का कारण संपत्ति को बताया जा रहा है, जिसे पूर्व डीजीपी अपने बेटे के नाम करना चाहते थे। ओम प्रकाश के शव को पोस्टमार्टम के लिए सेंट जॉन्स अस्पताल भेजा गया। जरूरी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उसे सोमवार सुबह परिजन को सौंप दिया जाएगा।

आईपीएस बनकर आए थे कर्नाटक

बता दें कि ओम प्रकाश कर्नाटक कैडर के साल 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। वे मूलत: बिहार के चंपारण से थे और साल 2015 से 2017 तक कर्नाटक के डीजीपी रहे थे। पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने ओम प्रकाश की मौत की पुष्टि की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक गवाहों से बात नहीं हुई है।

ओम प्रकाश की पत्नी ने वॉट्सऐप संदेश साझा किया था, जिसमें कहा कि उनका पति घर में बंदूक लेकर घूम रहा है और उनकी हत्या करने का इरादा रखता है। महिला की मानसिक स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। देशभर में सोशल मीडिया पर घटनाकी चर्चा है।

जनेऊ विवाद पर कनार्टक के उपमुख्यमंत्री

शिवकुमार ने दिया जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि सरकार 16 अप्रैल को सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) में शामिल होने वाले ब्राह्मण छात्रों को ''जनेऊ उतारने के लिए मजबूर'' करने से जुड़े मामले में दोषी किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

शिवकुमार ने बेलथांगडी वोक्कालिगारा सेवा संघ और वाणी शिक्षा संस्थान के एक नए भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार धर्म के पालन में हस्तक्षेप नहीं करेगी। हमारी सरकार हर धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।''

उन्होंने कहा, ''किसी को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। राज्य सरकार सभी को साथ लेकर चलने के लिए काम करेगी।''

कम से कम चार छात्रों ने शिकायत की है कि उनके जनेऊ या तो उतार लिए गए या उन्हें पहनने के कारण परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

एक मामले में शिवमोगा में पुलिस शिकायत दर्ज की गई है, जबकि दूसरे मामले में बीदर के एक स्कूल के प्रधानाचार्य और एक अन्य कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

हेराल्ड के झूठे मुकदमों में उलझा रही है सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि सरकार जिस नेशनल हेराल्ड मामले में झूठे मुकदमे लगाकर कांग्रेस नेतृत्व को उलझा रही है इसी अखबार को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए शुरू किया था।

खरगे ने रविवार को ट्वीट कर कहा, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नेशनल हेराल्ड की शुरुआत की थी। इसके अलावा, नवजीवन अख़बार और कौमी आवाज़ भी शुरू किया गया था। इन अख़बारों को शुरू करने का मकसद देश को आजाद कराना, देश की जनता को जागरूक करने और लोगों की आवाज अंग्रेजी हुकूमत तक पहुंचाने का था। उन्होंने कहा, आरएसएस व भाजपा के लोग षडयंत्र करने में माहिर हैं। इन दिनों उन्होंने कॉंग्रेस को झूठे मुक़दमों में उलझाने की फिर से कोशिश की है। जैसे ही कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में ख़त्म हुआ, एक दिन बाद नेशनल हेराल्ड की प्रॉपर्टी को अटैच करकर दी। दो दिन बाद कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी का नामआरोप पत्र में डाल दिया। हमारे नेताओं के ऊपर पिछले 11 सालों में अनगिनत रेड हुए। निकला कुछ नहीं, लेकिन बदनाम करने में लगे हैं। उन्होंने कहा हाल में नेशनल हेराल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा। आजादी के पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दिया था। इंदिरा गांधी जी देश के लिए शहीद हुईं, राजीव गांधीजी शहीद हुए। पिछले 11 सालों से कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ मोदी सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। श्रीमती सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी इसलिए निशाना पर हैं क्योंकि वह कांग्रेस की रीढ की हड्डी हैं।

मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े खालिस्तान समर्थक : केंद्रीय मंत्री बिट्टू

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रविवार को आरोप लगाया कि 'वारिस पंजाब दे' संगठन से जुड़े कुछ खालिस्तान समर्थक तत्व उनकी और पंजाब के अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रच रहे हैं। इस संगठन का प्रमुख कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह है। बिट्टू ने दावा किया कि सोशल मीडिया मंचों पर चैट के लीक हुए स्क्रीनशॉट के माध्यम से साजिश का ''पर्दाफाश'' हो गया है। बिट्टू ने एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने भी 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े लोगों द्वारा रची गई साजिश को गंभीरता से लिया है। उन्होंने आगाह किया कि ऐसे समूहों की गतिविधियां राज्य को अस्थिरता की ओर धकेल रही हैं। व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट से पता चला है कि इसके सदस्य खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक और साल के लिए हिरासत बढ़ाने को लेकर बिट्टू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाने की मंशा रखते हैं। पंजाब सरकार ने अमृतपाल की हिरासत अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी है। अमृतपाल (32) असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। 23 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार किए जाने के बाद से उसे एनएसए के तहत हिरासत में रखा गया है।

कृषि में भारत-ब्राजील सहयोग की मजबूत शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ब्राज़ील यात्रा ने भारत-ब्राज़ील कृषि सहयोग को एक नई गति दी है। ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग लेने के लिए ब्राज़ीलिया पहुँचे चौहान ने वहाँ की आधुनिक खेती की तकनीकों का नज़दीक से अवलोकन किया और भारतीय परिप्रेक्ष्य में उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन किया।

उन्होंने विशेष रूप से टमाटर, सोयाबीन और मक्का की खेती में उपयोग की जा रही तकनीकों और यंत्रों का अध्ययन किया और इन तकनीकों को भारत में अपनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय किसानों को खेती में यांत्रिकीकरण का लाभ दिलाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीकों की आवश्यकता है।

इस दौरे के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्राज़ील के कृषि नवाचारों, व्यापारिक संभावनाओं और तकनीकी विकास के विभिन्न पहलुओं को समझने के प्रयास किए। मंत्री चौहान की यह यात्रा केवल राजनयिक ही नहीं बल्कि भारतीय कृषि के लिए एक व्यावहारिक और तकनीकी पहल है, जिससे देश के किसानों को सीधा लाभ मिल सकता है।

चौहान ने जलवायु-लचीली सोयाबीन किस्मों, कृषि यंत्रीकरण, प्रिसिजन फार्मिंग और सतत खेती की तकनीकों पर ब्राज़ील के साथ अनुभव साझा करने की इच्छा जताई। उन्होंने वहाँ के आधुनिक सिंचाई प्रणालियों, अनुसंधान ढांचे और कृषि मॉडल से सीखने और उसे भारत में लागू करने की बात भी कही।

रूस 'युद्ध विराम का आभास' पैदा करने की कोशिश कर रहा है : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को रूस पर ईस्टर के मौके पर युद्ध विराम का सम्मान करने का झूठा दिखावा करने का आरोप लगाया और कहा कि मॉस्को ने रात भर हमले जारी रखे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में एकतरफा अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' ईस्टर की सुबह तक हम यह कह सकते हैं कि रूसी सेना युद्ध विराम की सामान्य धारणा बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन कुछ स्थानों पर, यह यूक्रेन पर हमला करने और नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को नहीं छोड़ती है। '' पुतिन द्वारा शनिवार को ईस्टर युद्ध विराम की घोषणा के बावजूद, जेलेंस्की ने रविवार सुबह कहा कि यूक्रेनी सेना ने अग्रिम मोर्चे पर विभिन्न क्षेत्रों में रूसी गोलाबारी की 59 घटनाएं और साथ ही कई ड्रोन हमले दर्ज किए हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू मंत्री पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में नई नहरों की योजना के खिलाफ रैली निकालने वाले प्रदर्शनकारियों ने एक हिंदू राज्य मंत्री पर हमला किया है।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सांसद और धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खील दास कोहिस्तानी शनिवार को थट्टा जिले से गुजर रहे थे, तभी प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले पर टमाटर और आलू फेंके और संघीय सरकार के खिलाफ नारे लगाए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में कोहिस्तानी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

रेडियो पाकिस्तान ने खबर दी कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कोहिस्तानी को फोन किया और घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, जन प्रतिनिधियों पर हमला अस्वीकार्य है। घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी।

सूचना मंत्री अता तरार ने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) गुलाम नबी मेमन से घटना का ब्यौरा तथा संघीय गृह सचिव से रिपोर्ट मांगी है।

सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने भी इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने हैदराबाद क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक को हमले में शामिल व्यक्तियों को तुरंत गिरफ्तार करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

रोहित और सूर्यकुमार के धमाकेदार अर्धशतक, मुंबई इंडियंस नौ विकेट से जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा (नाबाद 76 रन) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 गेंद में 114 रन की अटूट साझेदारी से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एकतरफा मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

मुंबई इंडियंस इस जीत से आठ अंक लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स को हटाकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई जबकि चेन्नई सुपर किंग्स चार अंक से अंतिम स्थान पर बनी रहेगी।

रोहित ने 45 गेंद की पारी के दौरान चार चौके और छह छक्के जड़कर फॉर्म में वापसी की जबकि सूर्यकुमार ने 30 गेंद खेलते हुए छह चौके और पांच छक्के जमाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

मुंबई इंडियंस ने रोहित और सूर्यकुमार के तूफान से चेन्नई सुपर किंग्स के 176 रन के लक्ष्य को 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर हासिल कर लिया।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स रविंद्र जडेजा (नाबाद 53 रन) और शिवम दुबे (50 रन) के अर्धशतकों की मदद से पांच विकेट 176 रन के स्कोर तक पहुंची।

पर शानदार लय में दिख रहे रोहित ने 33 गेंद में दो चौके और चार छक्के लगाकार अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद में छह चौके और दो छक्के से 50 रन पूरे किए और टीम को आसानी से जीत तक पहुंचा दिया।

रोहित ने रेयान रिकलटन (24 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 40 गेंद में 63 रन की साझेदारी निभाकर शुरुआत की। इन दोनों ने चेन्नई सुपर किंग्स की एक नहीं चलने दी जो इनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के सामने बेबस नजर आए। रविंद्र जडेजा ने एकमात्र विकेट झटका।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने धीमी शुरुआत की। पर पदार्पण करने वाले 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे ने 15 गेंद में चार चौके और दो छक्के से 32 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

फिर दुबे और जडेजा ने चौथे विकेट के लिए 50 गेंद में 79 रन की अहम साझेदारी बनाई।

सातवें ओवर में चौथे नंबर पर भेजे गए जडेजा ने 35 गेंद में चार चौके और दो छक्के से अर्धशतकीय पारी खेली जिससे टीम ने अंतिम पांच ओवर में 58 रन जुटाये।

दुबे ने 32 गेंद की पारी के दौरान चार छक्के और दो चौके लगाए।

हिमाचल सरकार कांग्रेस की सरकारों में सबसे भ्रष्ट : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख जे पी नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश सरकार देश की कांग्रेस सरकारों में सबसे भ्रष्ट है।

धर्मशाला में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने नेशनल हेराल्ड को करोड़ों रुपए के विज्ञापन दिए हैं, जिसका प्रकाशन तक नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, हिमाचल सरकार देश की कांग्रेस सरकारों में सबसे भ्रष्ट है और वित्तीय कुप्रबंधन में सबसे ऊपर है।

नड्डा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार राज्य में यह झूठा विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि केंद्र उसे धन नहीं दे रहा है और उसे हिमाचल की कोई चिंता नहीं है।

नड्डा ने कहा, अगर आप सरकार नहीं चला सकते, तो छोड़ दीजिए, लेकिन दूसरों को दोष मत दीजिए।

हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले नड्डा ने राज्य में अपनी वापसी के बारे में अटकलों को विराम देते हुए कहा, मैं एक जिम्मेदार पद पर हूं और राज्य में वापस आने की कोई संभावना नहीं है।

एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष का चुनाव जल्द ही किया जाएगा।

नड्डा ने कहा कि आकांक्षी जिले चंबा ने शिक्षा, बुनियादी ढांचे, कृषि, सिंचाई और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में अच्छी प्रगति की है।

केंद्रीय मंत्री ने चंबा जिले के विकास से जुड़ी एक समीक्षा बैठक में भाग लिया।

गुजरात : खुद को ट्रस्टी बताकर वक्फ ट्रस्ट की जमीन पर बनीं सपत्तियों से 17 साल तक किराया वसूला

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद में वक्फ बोर्ड के तहत पंजीकृत दो ट्रस्ट की जमीन पर बने ढांचों के लिए खुद को ट्रस्टी बताकर 17 वर्षों तक किराया वसूलने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

शहर के गायकवाड़ हवेली थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जालसाजों ने कांचनी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बाड़ा कसम ट्रस्ट की जमीन पर बने लगभग 100 घरों और दुकानों का किराया वसूला।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भरत राठौड़ ने कहा, यह पाया गया कि उन्होंने वक्फ बोर्ड के तहत पंजीकृत ट्रस्टों की संपत्तियों का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग किया, जिसके बाद उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जाली दस्तावेजों के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई।

वक्फ संपत्ति धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित होती है। ऐसी संपत्तियों से होने वाली आय का इस्तेमाल आम तौर पर धार्मिक गतिविधियों, धर्मार्थ कार्यों या सार्वजनिक लाभ के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा, आरोपियों ने दोनों ट्रस्टों के 5,000 वर्ग मीटर से ज़्यादा क्षेत्र में अवैध निर्माण किया। उन्होंने 2008 से 2025 के बीच लगभग 100 संपत्तियां (मकान और दुकानें) बनाईं और हर महीने किराया वसूला।

आरोपियों की पहचान सलीम खान पठान, मोहम्मद यासर शेख, महमूदखान पठान, फैज मोहम्मद चोबदार और शाहिद अहमद शेख के रूप में हुई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 'जीपीएस' से लैस 1,111 टैंकरों को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गर्मियों के दौरान शहर में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए रविवार को 'लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम' से लैस 1,111 टैंकरों को हरी झंडी दिखाई।

इस प्रणाली के जरिये दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय से 'आईटी डैशबोर्ड' पर टैंकरों पर नजर रखी जा सकेगी।

दिल्ली में भाजपा सरकार के 60 दिन पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान गुप्ता ने कहा, यह पूर्ण पारदर्शिता की दिशा में उठाया गया कदम है। यह अंतिम समाधान नहीं है, हम प्रत्येक निवासी को नल से जल उपलब्ध कराने के लिए एक नई नगर योजना पर काम करेंगे। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री प्रवेश वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सांसद और विधायक भी उपस्थित थे। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने बजट में जल क्षेत्र के लिए 9,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा, हमने सीवर ओवरफ्लो से निपटने के लिए पूरे शहर में 50 'सुपर सकर मशीन' तैनात की हैं। पिछली सरकार ने केवल दो ऐसी मशीनें खरीदी थीं।

शहर की सरकार मलजल शोधन संयंत्रों और जल शोधन संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने पर भी काम कर रही है।

वर्मा ने कहा, यह सुशासन और पारदर्शिता का एक मॉडल है। इनमें से कुछ टैंकर पुराने हैं लेकिन इन सभी में जीपीएस लगा हुआ है। लोग 'फूड डिलीवरी ऐप' की तरह ही अपने मोबाइल फोन पर टैंकर के स्थान का पता लगा सकते हैं।

राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का: बंबई उच्च न्यायालय ने पूछा

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक भूखंड पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने पर सरकार की नगर नियोजन एजेंसी सिडको को फटकार लगाते हुए पूछा कि राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल की खंडपीठ ने इस महीने की शुरुआत में पारित आदेश में कहा कि नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के अधिकारी अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

सिडको ने अदालत को बताया कि जब उन्होंने अवैध ढांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की तो बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने उन्हें धमकी दी। इसपर पीठ ने कहा कि अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का निर्वहन करते समय पर्याप्त पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैधताओं को रोकना तथा कानून का शासन स्थापित करना प्राधिकारियों का कर्तव्य है। उच्च न्यायालय ने कहा, हम यह समझने में असफल हैं कि क्या हम ऐसे राज्य में रहते हैं जहां कानून का शासन है या बाहुबल का शासन है।

न्यायालय ने कहा कि बोकाडवीरा गांव के सरपंच द्वारा दी गई धमकियों को लोकतांत्रिक देश में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि सिडको अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। अदालत 2016 में एक दंपति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सिडको को नवी मुंबई में उनकी जमीन पर दीपक पाटिल नामक व्यक्ति द्वारा बनाए गए अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ताओं के स्वामित्व वाली 123 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध संरचनाएं (दुकानें) बनाई गई हैं। अदालत ने सिडको को एक सप्ताह में याचिकाकर्ताओं की भूमि पर किए गए अनधिकृत निर्माण को हटाने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाने का निर्देश दिया।

एस.वाई. कुरैशी निर्वाचन आयुक्त नहीं बल्कि 'मुस्लिम आयुक्त' थे: निशिकांत दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ टिप्पणी से हंगामा मचाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को एस. वाई. कुरैशी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि एक मुस्लिम आयुक्त थे। इससे पहले कुरैशी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की आलोचना करते हुए इसे मुस्लिमों की भूमि हड़पने की सरकार की भयावह और बुरी योजना बताया था।

कुरैशी भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। दुबे ने एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय और भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना पर तीखा हमला बोला था और भारत में धार्मिक युद्ध के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद भाजपा ने उनकी विवादास्पद टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया। कुरैशी ने 17 अप्रैल को 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया था, वक्फ अधिनियम निस्संदेह मुस्लिमों की भूमि हड़पने के लिए सरकार की एक भयावह योजना है। मुझे यकीन है कि उच्चतम न्यायालय इस पर सवाल उठाएगा। दुष्प्रचार मशीनरी ने गलत सूचना फैलाने का अपना काम बखूबी किया है। भाजपा सांसद ने इस पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। दुबे ने कहा, आप चुनाव आयुक्त नहीं थे, आप एक मुस्लिम आयुक्त थे। आपके कार्यकाल में झारखंड के संथाल परगना में सबसे अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाया गया। उन्होंने कहा, पैगंबर मुहम्मद का इस्लाम भारत में 712 ई. में आया था। उससे पहले यह भूमि (वक्फ) उस धर्म से जुड़े हिंदुओं या आदिवासियों, जैनियों या बौद्धों की थी। दुबे ने कहा कि उनके गांव विक्रमशिला को 1189 में बख्तियार खिलजी ने जला दिया था और विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को आतिश दीपांकर के रूप में पहला कुलपति दिया था। उन्होंने कहा,इस देश को एकजुट करो, इतिहास पढ़ो। पाकिस्तान को बांटकर बनाया गया था। अब कोई बंटवारा नहीं होगा।

भारतीय वैज्ञानिकों ने दूनिया के सबसे छोटे चिप विकसित करने का प्रस्ताव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के 30 वैज्ञानिकों के एक दल ने सरकार को 'एंग्स्ट्रॉम-स्केल' चिप विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। ये इस समय तैयार हो रहे सबसे छोटे चिप से भी छोटे हैं। इस दल ने सरकार को '2डी मटेरियल' नामक सेमीकंडक्टर सामग्रियों के एक नए वर्ग का इस्तेमाल करके प्रौद्योगिकी विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इसके जरिये इस समय वैश्विक उत्पादन में सबसे छोटे चिप के 10वें हिस्से जितना छोटा चिप बनाया जा सकता है। इस तरह सेमीकंडक्टर में भारत का नेतृत्व विकसित हो सकता है। इस समय सेमीकंडक्टर विनिर्माण में सिलिकॉन-आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रभुत्व है। इसका नेतृत्व अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश कर रहे हैं।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, आईआईएससी के वैज्ञानिकों के एक दल ने अप्रैल, 2022 में प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सौंपी, जिसे संशोधित करके अक्टूबर, 2024 में फिर से पेश किया गया। बाद में रिपोर्ट को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के साथ साझा किया गया। इस परियोजना में एंग्स्ट्रॉम-स्केल चिप विकसित करने की बात कही गई है, जो आज तैयार हो रहे सबसे छोटे चिप्स से भी छोटे हैं। डीपीआर में ग्रेफीन और ट्रांजिशन मेटल डाइचेलकोजेनाइड्स (टीएमडी) जैसी बेहद बारीक सामग्रियों का उपयोग करके 2डी सेमीकंडक्टर के विकास का प्रस्ताव है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (मेइटी) के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। एक अधिकारी ने कहा, मेइटी इस परियोजना के बारे में सकारात्मक है। मेइटी के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और सचिव ने इस पर बैठकें की हैं। मेइटी ऐसे इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों की खोज कर रहा है, जहां इस तकनीक को लागू किया जा सकता है।'' भारत इस समय सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए विदेशी कंपनियों पर बहुत अधिक निर्भर है। यह एक ऐसी प्रौद्योगिकी है, जो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है।

केवल 60 प्रतिशत देशों में ही हैं स्कूलों में भोजन एवं पेय पदार्थों संबंधी कानून, मानक : यूनेस्को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूनेस्को की 'ग्लोबल एजूकेशन रिपोर्ट (जीईएम)' में खुलासा किया गया है कि केवल 60 प्रतिशत देशों में ही स्कूलों में भोजन और पेय पदार्थों को विनियमित करने वाले कानून और मानक हैं।

यह रिपोर्ट 'लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन' की अगुवाई वाले 'स्कूल स्वास्थ्य एवं पोषण अनुसंधान कंसोर्टियम' के साथ साझेदारी में प्रकाशित की गई है, जो 'स्कूल मील्स कोलिशन' की अनुसंधान पहल है।

'ग्लोबल एजुकेशन रिपोर्ट' (जीईएम) में कहा गया है, '' 187 देशों में से केवल 93 देशों में ही स्कूल के भोजन और पेय पदार्थों पर कानून, अनिवार्य मानक या निर्देश हैं। हालांकि, इन 93 देशों में से केवल 29 प्रतिशत ने स्कूलों में खाद्य और पेय पदार्थों के विपणन को प्रतिबंधित करने के उपाय किए हैं तथा केवल 60 प्रतिशत देशों में ही खाद्य और पेय पदार्थों को विनियमित करने वाले मानक हैं।'' जीईएम टीम ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले 30 देशों में स्कूल-आधारित खाद्य और पोषण शिक्षा के सर्वेक्षण-आधारित मूल्यांकन से पता चला कि इसका (खाद्य एवं पोषण शिक्षा का) स्कूल प्रणाली के साथ एकीकरण, एक स्वतंत्र विषय या पूरे पाठ्यक्रम के बजाय, ज्यादातर पाठ्येतर या परियोजना-आधारित गतिविधियों के माध्यम से हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''28 देशों में से केवल तीन में ही नियमित रूप से मूल्यांकन किया गया और उनका उपयोग किया गया। मूल्यांकन जानकारी में भोजन और पोषण, ज्ञान, भोजन पद्धति, पोषण की स्थिति, आदतों और आहार के बारे में दृष्टिकोण और धारणाओं में परिवर्तन शामिल थे।''

रिपोर्ट में कहा गया है, ''अधिकतर स्कूल भोजन कार्यक्रमों में पोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा उद्देश्यों के साथ-साथ शिक्षा लक्ष्य भी होते हैं। हालांकि, ऐसे कार्यक्रम कम ही हैं जो मोटापे को रोकने या कम करने पर केंद्रित हैं।''

स्कूली भोजन प्रावधान पर केंद्रित एक अन्य सर्वेक्षण में पाया गया कि 72 प्रतिशत देशों ने स्कूल परिसरों में खाद्य विपणन पर कुछ सीमाएं लगाने की बात स्वीकार की है जबकि 52% देशों ने स्कूल परिसरों में या उसके आसपास खाद्य पदार्थों के विपणन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाए हैं।

जीईएम रिपोर्ट में कहा गया है, ''उच्च आय वाले देशों में खाद्य प्रणाली परिवर्तन के साथ पोषण नीति जुड़ाव की समीक्षा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अधिकांश नीतिगत कार्रवाइयां स्वस्थ विकल्प व्यवहार बदलाव के वास्ते संवाद पर केंद्रित थीं जबकि खाद्य माहौल में अधिकतर परिणाम खाद्य 'लेबलिंग', उत्पाद सुधार, स्कूलों में स्वस्थ भोजन प्रदान करने और खाद्य विज्ञापन को प्रतिबंधित करने पर केंद्रित रहे।

रिपोर्ट कहती है, ''अस्वास्थ्यकर भोजन या पेय की खपत को कम करने पर जोर नहीं दिया गया। खाद्य माहौल तथा विनियामक और विधायी सुधारों के बजाय व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।''

राज को जवाब देने से पहले क्या उद्धव ने पत्नी की अनुमति ली थी: भाजपा नेता नितेश राणे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने रविवार को सवाल किया कि क्या शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के उस बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी, जिससे दोनों चचेरे भाइयों के बीच सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। पिछले कुछ दिन में राज और उद्धव ने संभावित सुलह की अटकलों को हवा दी है और ऐसे बयान दिए हैं जिनसे संकेत मिलता है कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज करके महाराष्ट्र और मराठी 'मानुष' के हित में हाथ मिला सकते हैं। राणे ने एक हिंदी समाचार चैनल से बातचीत में कहा, आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है।

मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था। शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ के एक गांव की जीवन रेखा है 150 साल पहले बनवाया गया तालाब

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिले के एक गांव में लगभग 150 साल पहले एक जमींदार द्वारा अपनी पत्नी के लिए बनवाया गया तालाब कभी सूखा नहीं है और आज भी यह वहां के निवासियों के लिए जीवन रेखा की तरह है तथा उनकी दैनिक जल आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। स्थानीय लोगों ने यह दावा किया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्ग शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर कंडारका गांव में स्थित 'बड़ा तालाब' स्थानीय निवासियों और आसपास के छह गांवों के लिए पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, क्योंकि गर्मी के मौसम में इस क्षेत्र के अन्य तालाब और संसाधन सूख जाते हैं।

इस बीच दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने भी कहा कि यह तालाब कभी सूखा नहीं है और इसके संरक्षण तथा पुनरुद्धार के लिए योजना तैयार की जाएगी।

स्थानीय निवासी जीवन लाल ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि उनके परनाना गुरमिन गौटिया (जो उस समय जमींदार थे) ने अपनी पत्नी के लिए यह तालाब बनवाया था। उन्होंने कहा कि 150 साल पहले कंडारका में पानी की कमी थी और स्थानीय लोगों को अपनी पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पास के गांवों में जाना पड़ता था।

लाल ने बताया कि गौटिया की पत्नी को नहाने के लिए दो किलोमीटर दूर दूसरे गांव में जाना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कुछ गांव वाले उनका इस बात के लिए मजाक उड़ाते थे कि एक जमींदार भी अपने गांव में अपनी पत्नी के लिए पानी का इंतजाम नहीं कर पाता।

दुबे और शर्मा के बयानों से खुद को अलग करने की भाजपा की कवायद 'डैमेज कंट्रोल' : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा उच्चतम न्यायालय की आलोचन किए जाने के बाद पार्टी को खुद से इससे अलग करने की कवायद को ''डैमेज कंट्रोल'' करार दिया और कहा कि सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। विपक्षी दल ने यह भी जानना चाहा कि दोनों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई और उन्हें कारण बताओं नोटिस क्यों नहीं जारी किया गया।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई ''घृणित टिप्पणियों'' से ''निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष'' का दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,'' भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। ये सांसद घृणा फैलाने वाले बयानों को बार बार दोहराते रहने के लिए कुख्यात हैं और 'जी2' अक्सर समुदायों, संस्थानों और व्यक्तियों पर हमले के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष का स्पष्टीकरण डैमेज कंट्रोल के अलावा कुछ नहीं है। इससे कोई मूर्ख नहीं बनेगा। यह 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस के बजाए एंटायर पॉलिटिकल हिपोक्रेसी' है। कांग्रेस नेता ने कहा,'' लेकिन निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष ने अपनी ही पार्टी के उच्च संवैधानिक पद पर बैठे एक अति विशिष्ट व्यक्ति द्वारा न्यायपालिका पर बार-बार की जा रही अस्वीकार्य टिप्पणियों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। क्या इन टिप्पणियों पर उनका कोई मत नहीं है? क्या भाजपा इन बयानों का समर्थन करती है?'' उन्होंने कहा, '' अगर संविधान पर इस तरह के निरंतर हमलों को प्रधानमंत्री मोदी की मौन स्वीकृति नहीं है तो इस सांसद के खिलाफ कड़े कदम क्यों नहीं उठा रहे? क्या नड्डा जी ने इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया?''

कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने रमेश की टिप्पणी को टैग करते हुए 'एक्स' पर कहा कि सीजेआई और उच्चतम न्यायालय के खिलाफ भद्दी टिप्पणी करने वाले भाजपा सांसदों के खिलाफ न्यूनतम कार्रवाई उन्हें पार्टी से निष्कासित करना है। वासनिक ने कहा, '' लेकिन क्या भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष सांसदों को चेतावनी देने से आगे कुछ करेंगे?

जम्मू-कश्मीर के रामबन में भारी बारिश के कारण तीन लोगों की मौत, 100 से अधिक लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण अलग-अलग जगहों पर आई बाढ़ में तीन लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाशरी और बनिहाल के बीच करीब एक दर्जन स्थानों पर भूस्खलन और मिट्टी धंसने की घटनाएं हुईं जिनके कारण यातायात को रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि रामबन के सेरी बागना गांव में बादल फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में से दो की पहचान अकीब अहमद और मोहम्मद साकिब के रूप में की गई है। वे दोनों भाई थे। उन्होंने बताया कि गांव में बचाव अभियान जारी है। इन तीन लोगों की मौत होने के साथ ही जम्मू क्षेत्र में पिछले दो दिन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। इससे पहले, रियासी जिले के अरनास इलाके में शनिवार देर रात बिजली गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई थी और एक अन्य महिला घायल हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि धर्म कुंड गांव में अचानक आई बाढ़ के कारण करीब 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि 10 मकान पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गए और शेष को आंशिक क्षति पहुंची।

अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने और लगातार बारिश के बावजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने फंसे हुए 100 से अधिक ग्रामीणों को बचाया। उन्होंने बताया कि एक जलाशय के उफान पर होने के कारण कई वाहन बह गए। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, ''हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है।'' यातायात विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि नाशरी और बनिहाल के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन, मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने की घटनाओं के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। उन्होंने बताया कि राजमार्ग पर बारिश जारी है और लोगों को मौसम में सुधार होने तथा सड़क साफ होने तक मुख्य सड़क पर यात्रा न करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि 250 किलोमीटर लंबे राजमार्ग के बंद होने के कारण इस पर सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। यह कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग है। पंथियाल के पास भी सड़क का एक हिस्सा बह गया है। उन्होंने बताया कि फंसे हुए सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

करुणानिधि के नक्शेकदम पर स्टालिन

राज्यों की स्वायत्तता को मजबूत करने के उपाय सुझाने को बनाई समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नक्शेकदम पर चलते हुए कुछ दिन पहले राज्यों की स्वायत्तता को मजबूत करने के उपायों की सिफारिश करने के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश कुरियन जोसेफ के नेतृत्व में एक समिति गठित करने की घोषणा की थी।

करुणानिधि जब 50 साल पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने भी राज्यों की स्वायतत्ता के लिए लड़ाई लड़ी थी।

राज्यों की स्वायत्तता की वकालत करते हुए करुणानिधि ने 16 अप्रैल 1974 को तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया था। राज्यों की स्वायत्तता के लिए आवाज उठाने वाले और 1967 से 1969 के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के संस्थापक सीएन अन्नादुरई (1909-1969) निश्चित तौर पर करुणानिधि के लिए एक बड़ी प्रेरणा थे।

'कलईगनर' के नाम से लोकप्रिय करुणानिधि ने प्रस्ताव पेश करते हुए अन्नादुरई को विस्तार से उद्धृत किया था और इसमें द्रमुक नेता (अन्नादुरई) का अंतिम लेख भी शामिल किया गया था, जो 1969 में अंग्रेजी पत्रिका 'होम रूल' में प्रकाशित हुआ था।

अन्नादुरई को प्यार से अन्ना कहकर संबोधित किया जाता है। लेख में उन्होंने लिखा था, ''प्रिय भाइयों, मैं कभी भी सत्ता के पीछे पागल नहीं हुआ। न ही मैं ऐसे संविधान के तहत अपने राज्य का मुख्यमंत्री होने से खुश हूं, जो कागज पर संघीय है, लेकिन वास्तव में अधिक से अधिक केंद्रीकृत होता जा रहा है। इस कारण, मुझे अपने अच्छे मित्र ईएमएस (कम्युनिस्ट नेता, नंबूदरीपाद) की यह बात अच्छी नहीं लगी कि मेरा उद्देश्य केंद्र को परेशान करना या दिल्ली के साथ झगड़ा करना है।''

अन्ना ने आठ अप्रैल 1967 को नई दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''यह उचित होगा कि केंद्र केवल उतनी ही शक्तियां अपने पास रखे, जितनी देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है तथा राज्यों को पर्याप्त शक्तियां दी जाएं। शक्तियों के बंटवारे और संविधान को लागू करने की विधि सुझाने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त आयोग गठित किया जाना चाहिए।''

करुणानिधि ने इन सभी पहलुओं को रेखांकित करते हुए

याद दिलाया था कि उन्होंने 19 अगस्त 1969 को पीवी राजमन्नार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति गठित करने की घोषणा की थी, जिसमें एएल मुदलियार और पी चंद्र रेड्डी शामिल थे। उन्होंने कहा था कि तदनुसार, 22 सितंबर 1969 को ''देश की अखंडता को किसी भी प्रकार से नुकसान पहुंचाए बिना'' राज्यों की स्वायत्तता के आधार पर केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों के प्रश्न पर विचार करने के लिए समिति गठित की गई।

द्रमुक के 1971 के चुनाव घोषणापत्र में इष्टतम स्वायत्तता के लिए संविधान संशोधन की मांग की गई थी और इस विषय पर अन्नादुरई द्वारा अप्रैल 1967 के संवाददाता सम्मेलन में रखे गए विचार को पार्टी के घोषणापत्र का सक्रिय हिस्सा बनाया गया था। राजमन्नार समिति की रिपोर्ट 27 मई 1971 को राज्य सरकार को प्राप्त हुई और इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भेजा गया, जिन्होंने 22 जून 1971 को इसे स्वीकार कर लिया। इंदिरा ने कहा था कि प्रशासनिक सुधार आयोग ने भी इस प्रश्न पर विचार किया है और उसकी रिपोर्ट केंद्र के विचाराधीन है।

दिलचस्प बात यह है कि एचवी हांडे (स्वतंत्र पार्टी) ने एक संशोधन पेश किया, जिसमें निम्नलिखित बातें जोड़ी गईं, ''यह सदन, हालांकि, राज्य सरकार से आग्रह करता है कि वह राज्य की स्वायत्तता के नाम पर विभाजनकारी ताकतों को खुला न छोड़े और विभाजनकारी प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित न करे।''

हांडे ने यह भी कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तो उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, जो राज्य की स्वायत्तता की मांग नहीं माने जाने पर देश के विभाजन की धमकी देते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार को इस प्रवृत्ति के प्रति सतर्क रहना चाहिए कि कुछ लोग स्वायत्तता की मांग को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश को उदाहरण के रूप में पेश कर रहे हैं।

मुस्लिम लीग के वीएम अब्दुल जब्बार ने ''अब तक सुलझाए नहीं जा सके कावेरी नदी जल विवाद'' का जिक्र करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया था कि क्या 'सर्वशक्तिमान' केंद्र सरकार पानी छोड़े जाने की मात्रा निर्धारित नहीं कर सकती; जिसके पास इतनी अधिक शक्तियां हैं। जब्बार ने कहा था, ''केवल ईश्वर ही जानता है कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद कब सुलझेगा। केंद्र सरकार के रवैये को देखते हुए लगता है कि यह 10 साल बाद भी सुलझ नहीं सकता।'' उन्होंने उस समय रूस का राज्य रहे यूक्रेन का उदाहरण भी दिया था और कहा था कि संयुक्त राष्ट्र का सदस्य होने के कारण उसे उच्च दर्जा प्राप्त है।

विधायक के कंडास्वामी (फॉरवर्ड ब्लॉक) ने एक अखबार में छपे लेख का हवाला देते हुए कहा था, ''कांग्रेस आलाकमान स्तर पर केंद्र-राज्य संबंधों को सुलझाने का यह तरीका, वर्तमान परिस्थितियों में संभवतः लागू नहीं किया जा सकता, जब कुछ राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें सत्ता में हैं।''

करुणानिधि ने प्रस्ताव (राज्य स्वायत्तता : केंद्र-राज्य संबंधों पर राजमन्नार समिति की रिपोर्ट) पेश किया, जिसमें कहा गया, ''राज्य स्वायत्तता पर तमिलनाडु सरकार के विचारों और राजमन्नार समिति की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए सदन यह संकल्प लेता है कि विभिन्न भाषाओं, सभ्यता और संस्कृति के लोगों के साथ भारत की अखंडता को सुरक्षित रखने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और लोगों के साथ निकट संपर्क रखने वाली राज्य सरकार को बिना किसी रोक-टोक के काम करने में सक्षम बनाने तथा पूर्ण राज्य स्वायत्तता के साथ एक वास्तविक संघीय व्यवस्था स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार राज्य स्वायत्तता पर तमिलनाडु सरकार के विचारों और राजमन्नार समिति की सिफारिशों को स्वीकार करे और भारत के संविधान में तत्काल परिवर्तन करने के लिए आगे बढ़े।''

करुणानिधि ने चर्चा की शुरुआत की थी, जो 16 से 20 अप्रैल 1974 तक चली थी। कुल 37 सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया था। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम या अन्नाद्रमुक (जिसे उस समय एडीएमके के नाम से जाना जाता था) के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया था। प्रस्तावित संशोधनों को या तो वापस ले लिया गया या अस्वीकार कर दिया गया था और प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

त्रिभाषा नीति, नीट के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी थोपना है: उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा त्रिभाषा नीति, नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी को 'थोपना' है।

विद्यार्थियों से केंद्र की 'साजिश' के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए उदयनिधि ने केंद्र सरकार पर नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) और त्रिभाषा नीति के जरिए तमिलनाडु में शिक्षा प्रणाली के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आपको शिक्षा के सिलसिले में केंद्र द्वारा रची गयी साजिशों व खतरों को समझना चाहिए। आपको यह समझना चाहिए कि यदि आप अपने रुख पर अडिग हैं तो हमारे दुश्मन हमसे नहीं जीत सकते।'' उपमुख्यमंत्री ने यहां नंदनम आर्ट्स कॉलेज में 4.80 करोड़ रुपए की लागत से बने 1,000 लोगों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। ऑडिटोरियम का नाम पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नाम पर 'कलईगनर कलैयारंगम' रखा गया है। उन्होंने याद दिलाया कि यह कॉलेज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 1986 में इस शैक्षणिक संस्थान के विद्यार्थियों ने राज्य में हिंदी 'थोपे जाने' पर विरोध प्रदर्शन किया था। विपक्ष के तत्कालीन नेता और द्रमुक के शीर्ष नेता करुणानिधि द्वारा हिंदी थोपे जाने के खिलाफ की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उदयनिधि ने कहा कि यह अब भी प्रासंगिक है।

एमडीएमके ने लिट्टे के चित्रण को लेकर तमिलनाडु में हिंदी फिल्म 'जाट' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

चेन्नई/भाषा। वाइको के नेतृत्व वाली एमडीएमके ने ईलम तमिल स्वतंत्रता आंदोलन और लिट्टे का कथित तौर पर दुर्भावनापूर्ण चित्रण करने के लिए हाल ही में रिलीज हुई सनी देओल अभिनीत फिल्म 'जाट' को तमिलनाडु में प्रतिबंधित करने की रविवार को मांग की। पार्टी की प्रशासनिक परिषद की बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह बैठक आंतरिक कलह के कारण वाइको के बेटे दुरई वाइको द्वारा शनिवार को पार्टी में अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आयोजित की गई थी।

पार्टी के सूत्रों ने बैठक में उठाए गए मुद्दे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जबकि कुछ खबरों में दावा किया गया है कि अधिकतर सदस्य चाहते थे कि दुरई मरुमलारची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के प्रधान सचिव बने रहें।

पार्टी ने राज्य के राज्यपाल आर. एन. रवि को 'हटाने' की मांग से जुड़े प्रस्ताव समेत कई प्रस्ताव पारित किए। 'जाट' का जिक्र करते हुए प्रस्ताव में कहा गया है, फिल्म में ईलम तमिल स्वतंत्रता आंदोलन को बदनाम करने वाले दृश्य हैं।

प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है, तमिल ईलम (तमिलों के लिए अलग मातृभूमि) के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले तमिल टाइगर्स (लिट्टे) के सदस्यों को फिल्म में आतंकवादियों के रूप में चित्रित किया गया है। पार्टी ने कहा, तमिलनाडु में जाट पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

इसके अलावा पार्टी ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार से वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस लेने का आग्रह किया और रवि को 'हटाने' की मांग की, जिनकी उच्चतम ने न्यायालय ने कड़ी आलोचना की है।

पार्टी ने राज्यपाल के पास लंबित विधेयकों को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। पार्टी ने इस मुद्दे पर 26 अप्रैल को यहां विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

विंसी की तरह पूरे फिल्म उद्योग को नशा करने वालों के साथ काम नहीं करने का रुख अपनाना चाहिए: एमबी राजेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के आबकारी मंत्री एमबी राजेश ने रविवार को कहा कि फिल्म उद्योग में हर किसी को अभिनेत्री विंसी अलोशियस की तरह यह ''साहसिक रुख'' अपनाना चाहिए कि वे मादक द्रव्यों का इस्तेमाल करने वालों के साथ काम नहीं करेंगे।

राजेश ने अभिनेत्री के ''साहसिक और दृढ़'' रुख की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना फिल्म उद्योग एवं उससे जुड़े संगठनों की जिम्मेदारी है कि विंसी जैसे लोगों को उनके द्वारा अपनाए रुख के कारण अलग-थलग या दरकिनार न किया जाए। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने विंसी अलोशियस से बात की। मैंने उनके द्वारा अपनाए गए इस साहसिक और दृढ़ रुख के लिए उनकी प्रशंसा की कि वे नशीले पदार्थों का उपयोग करने वालों के साथ काम नहीं करेंगी। फिल्म उद्योग में हर किसी को आगे आकर इस रुख को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करना फिल्म उद्योग और विभिन्न सिनेमा संगठनों की जिम्मेदारी है कि ऐसे लोगों को उनके द्वारा अपनाए गए रुख के कारण अलग-थलग या दरकिनार न किया जाए।''

मंत्री ने कहा कि विंसी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह अपने द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़ी जांच में सहयोग करेंगी और वह हर आवश्यक जगह पर अपना बयान देने के लिए तैयार हैं। राजेश ने दोहराया कि राज्य पुलिस एवं आबकारी विभाग नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने की कोशिश कर रहे हैं और किसी भी क्षेत्र को कोई विशेष छूट नहीं दी जाएगी।

मंत्री ने कहा, ''न तो सिनेमा क्षेत्र और न ही मशहूर हस्तियों को इस मामले में कोई विशेष छूट दी जाएगी, क्योंकि नशीले पदार्थों के उपयोग को एक सामाजिक बुराई के रूप में देखा जा रहा है। इससे सख्ती से निपटा जाएगा। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, इसे सख्ती से खत्म किया जाएगा।'' मलयालम फिल्मों की अभिनेत्री विंसी ने 'केरल फिल्म चैंबर' और 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) में शिकायत दर्ज कराई थी कि मलयालम फिल्म अभिनेता शाइन टॉम चाको ने एक फिल्म के सेट पर नशीले पदार्थों का सेवन कर उनके साथ ''आपत्तिजनक व्यवहार किया। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

मुनंबम निवासियों के बीच 'विभाजन पैदा करने' के प्रयास 'द्वेषपूर्ण' : ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख

कोट्टायम (केरल)/भाषा। मलंकारा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च के प्रमुख बेसिलियोस मार्थोमा मैथ्यूज तृतीय ने कहा है कि एर्नाकुलम जिले के मुनंबम के निवासी विभिन्न धर्मों के लोग हैं जो लंबे समय से सद्भाव के साथ एक साथ रह रहे हैं और इसलिए, उनके बीच विभाजन पैदा करने का प्रयास द्वेषपूर्ण है।

शनिवार को यहां अपने ईस्टर संदेश में चर्च ने कहा कि मुनंबम के निवासियों को आश्वासन दिया जाना चाहिए।

मुनंबम निवासी, जिनमें से अधिकांश ईसाई हैं, पिछले कई महीनों से वक्फ बोर्ड द्वारा उनकी भूमि और संपत्तियों पर कथित रूप से अवैध दावे के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। निवासियों का कहना है कि उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और भूमि कर भुगतान रसीदें भी हैं।

ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख ने यह भी कहा कि केरल सरकार को

आशा कार्यकर्ताओं की मानदेय में वृद्धि की मांग को कथित रूप से नजरअंदाज करने के अपने रुख पर पुनर्विचार करना चाहिए। तिरुवनंतपुरम में सचिवालय के बाहर 70 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कार्यकर्ताओं के एक वर्ग की मांगों के बारे में उन्होंने कहा कि वे 232 रुपए प्रतिदिन पर काम कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि इसमें न्यूनतम 100 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने कहा, लेकिन उनकी मांग से मुंह मोड़ने के सरकार के रुख की निश्चित रूप से पुनः जांच की जरूरत है।

सोनिया और राहुल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई 'शर्मनाक' राजनीतिक प्रतिशोध: द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। 'इंडि' गठबंधन के प्रमुख घटक दल एम के स्टालिन की अगुवाई वाली द्रमुक ने रविवार को नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोपपत्र दाखिल करने को लेकर भाजपा की आलोचना की और इसे 'अस्वीकार्य' तथा 'शर्मनाक' प्रतिशोध बताया।

द्रमुक कोषाध्यक्ष और संसदीय दल के नेता टीआर बालू ने केंद्र की भाजपा सरकार पर कांग्रेस पर ईडी सहित जांच एजेंसियों को छोड़ने का आरोप लगाया, क्योंकि वह विभिन्न दलों को एकजुट करके वक्फ सहित मुद्दों पर भाजपा का विरोध कर रही थी। बालू ने पार्टी के

बयान में कहा, द्रमुक की ओर से मैं भाजपा के राजनीतिक प्रतिशोध के कारण नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा आरोपपत्र दायर करने की कड़ी निंदा करता हूं।

बालू ने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ कांग्रेस का अडिग रहना और विपक्षी दलों को इसके खिलाफ वोट देने के लिए तैयार करना भाजपा सरकार को रास नहीं आया है। उसे डर है कि कांग्रेस केंद्र सरकार की जनविरोधी पहलों और उसकी विफलताओं को लोगों के बीच ले जाएगी।

यही कारण है कि ईडी कांग्रेस पार्टी को घेर रही है और उसके नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को भी नहीं बख्श रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से राजनीतिक रूप से मुकाबला करने में असमर्थ भाजपा सरकार ईडी और अन्य एजेंसियों को छोड़ रही है जो न केवल घृणित है बल्कि शर्मनाक राजनीतिक प्रतिशोध है जो किसी को भी स्वीकार्य नहीं है। ईडी ने हाल ही में नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ नई दिल्ली की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया था, जिसमें उन पर कथित तौर पर 988 करोड़ रुपए के धनशोधन का आरोप लगाया गया था।

वक्फ अधिनियम के कार्यान्वयन के बाद मुनंबम का मुद्दा भी हल हो जाएगा: चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कार्यान्वयन से मुनंबम मुद्दे को हल करने का रास्ता साफ होगा।

चंद्रशेखर ने यहां कार्डिनल एम. जॉर्ज एलेनचेरी से मिलने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, इंतजार करें और देखें कि मुनंबम मुद्दे को कौन हल करता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू हो जाने के बाद मुनंबम मुद्दे का समाधान भी निकल आएगा।

चंद्रशेखर ने सवाल किया, पिछले 35 वर्षों में केरल की सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों ने क्या किया? मैं यह भी समझता हूं कि उच्चतम न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ मुनंबम मुद्दा हल हो जाएगा।

मुनंबम के अधिकांश निवासी ईसाई हैं। वे पिछले कई महीनों से वक्फ बोर्ड

द्वारा उनकी भूमि और संपत्तियों पर कथित रूप से अवैध दावे किए जाने के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं, जबकि उनके पास पंजीकृत विलेख और भूमि कर भुगतान की रसीदें हैं।

चंद्रशेखर ईस्टर दिवस पर अपनी शुभकामनाएं देने के लिए कार्डिनल एलेनचेरी से मिलने गए थे। चंद्रशेखर ने भाजपा के जिला नेताओं के साथ पलायम के लूर्डे फोरेन चर्च में कार्डिनल से मुलाकात की। हालांकि, बाद में कार्डिनल एलेनचेरी ने मीडिया को बताया कि यह एक अनौपचारिक बैठक थी। ईस्टर के अवसर पर भाजपा के दूसरे नेता भी गिरजाघर पहुंचे।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038

निविदा सूचना संख्या.ICF/PCMO/EOT/1/2025 दिनांक 17.04.2025
निम्नलिखित ई-निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और इन निविदाओं के लिए कोटेशन दें। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निविदा के लिए बंद होने और खुलने का समय 15:00 बजे है।

क्रम सं.	निविदा संख्या	निविदा शीर्षक	देय तिथि/ समय
1	ICFD2501	एमओयू की तारीख से दो साल के लिए सभी वस्तुओं के लिए एमआरपी पर समान छूट दर पर रेट अनुबंध के तहत पूरी तरह से ब्रांडेड दवाओं की आपूर्ति के लिए खुदरा केमिस्ट / फार्मास्युटिकल वितरक / स्टॉकिस्ट का पैनल ।	09/05/2025

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-वर्ष 2025

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतीयों के लिए हिंदी में रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, जिसमें निम्नानुसार राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने का प्रावधान है :-
प्रथम पुरस्कार (एक) : 10,000/-रु., द्वितीय पुरस्कार (एक) : 8,000/-रु.
तृतीय पुरस्कार (एक) : 6,000/-रु., प्रेरणा पुरस्कार (एक) : 4,000/-रु. प्रत्येक

रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों एवं अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए । यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम-से-कम एक इंच का हाशिया छोडा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित हो । शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए । मृत्तांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बडे अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु कार्यालय/निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नं., ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए ।

इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सर्तकता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है । जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और नही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं । इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि – **"संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है ।"**

प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में **31.07.2025** तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नं. 316, कॉफमों रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 को निरापवाद रुप से भिजवा दें । वृत्तांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जाएगी । अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा ।

केरल में ईसाईयों ने उत्साह के साथ ईस्टर मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में ईसाइयों ने प्रभु ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने के बाद उनके फिर से जीवित होने की स्मृति में रविवार को ईस्टर का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिलाएं, बच्चे और श्रद्धालु सुबह से ही गिरजाघरों में उमड़ पड़े और प्रार्थना की। राज्य के गिरजाघरों में विभिन्न चर्च संप्रदायों के प्रमुख, बिशप और पादरियों ने ईस्टर पर्व के दौरान गिरजाघरों में लोगों का नेतृत्व किया। ईस्टर प्रार्थना और पश्चाताप के पवित्र सप्ताह की परिणति का भी प्रतीक है, जिसमें ईसा मसीह के जीवन के अंतिम दिनों को याद किया जाता है। इस अवसर पर 40 दिन के उपवास (लेंट) काल के समापन के साथ ईसाई परिवारों ने घरों में विभिन्न प्रकार के शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजनों का भोज तैयार किया। इस बीच, विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं ने लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं दीं और अपने-अपने क्षेत्रों के गिरजाघर जाकर पादरियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को शेखावाटी क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन झुंझुनूं के सर्किट हाऊस में जनसुनवाई की और इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

कांग्रेस ने शेखावाटी के लोगों के विश्वास को तोड़ा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर शेखावाटी के लोगों के विश्वास को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा है कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के यमुना जल समझौते को रद्द करने के वादे का यहां के कांग्रेस नेताओं ने विरोध नहीं किया।

शर्मा शेखावाटी क्षेत्र की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन रविवार को झुंझुनूं जिले में नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मुकुंदगढ़ एवं झुंझुनूं टोल प्लाजा पर आयोजित स्वागत एवं आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने टोल प्लाजा पर आयाजित सभा में कहा कि जनता के आशीर्वाद से हरियाणा में कांग्रेस के सपने पूरे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियों के साथ ही छह लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए है जिनमें से तीन महीने में ही तीन लाख करोड़ रुपए के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है।

उन्होंने मुकुंदगढ़ सभा में कहा कि शेखावाटी जवानों और किसानों की धरती है। यहां का युवा सेना में शामिल होकर देश सेवा के लिए हमेशा आगे रहता है। उन्होंने कहा कि मोदी ने वन रैंक वन पेंशन योजना लागू की, जिसका लाभ शेखावाटी के लोगों को भी मिल रहा है। किसान बड़ी उम्मीद के साथ अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है ताकि वह नौकरी पाकर उसके बुढ़ापे का सहारा बनेगा मगर कांग्रेस सरकार ने पेपर लीक से उनके सपनों को चकनाचूर हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के 16 महीने में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस झूठ, लूट और तुष्टिकरण की राजनीति करती है। देश में सबसे ज्यादा समय तक रहने वाली सरकार के शासन काल में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि वह खुद कहते थे कि एक रुपया भेजने पर जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं लेकिन अब मोदी की सरकार में सौ रुपए भेजे जाते हैं तो लोगों तक पूरे सौ रुपए पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग ट्वीट कर यमुना जल समझौते से शेखावाटी में आने वाले पानी को लेकर सवाल पूछते है। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के घोषणा पत्र में सरकार बनने पर यमुना जल समझौते को रद्द करने का समर्थन करने वाले लोगों को सवाल पूछने का कोई हक नहीं है।

वन मंत्री ने रक्तदान शिविर कार्यक्रम में शिरकत कर रक्तवीरों का उत्साहवर्धन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को चाणक्य परिवार, अलवर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह और रक्तदान शिविर कार्यक्रम में प्रतिभावान बच्चों को प्रतीक चिन्ह वितरित कर सम्मानित किया एवं रक्तदान करने करने वाले रक्तवीरों का उत्साहवर्धन किया।

शर्मा ने कार्यक्रम में कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति की जान बचाता है। वर्तमान समय में हमारे युवा रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं, यह अच्छी परम्परा को दर्शाता है। उन्होंने रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए चाणक्य परिवार को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज को आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभाती है। शिक्षित समाज विकसित राष्ट्र के संकल्प को साकार करने में सार्थक सिद्ध होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में राजस्थान चहुंमुखी विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अपने दोनों बजटों में शिक्षा पर विशेष फोकस कर शिक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करने करने काम किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा अलवर जिले में बड़ी संख्या में ई-लाइब्रेरी संचालित करने का काम किया जा रहा है।

इसके बाद वन मंत्री श्री शर्मा ने ग्राम नंगला चारण में ब्राह्मण समाज चौरासी पचमेला समिति की नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। श्री शर्मा ने वैशाली नगर, अलवर में डॉ. राकेश चौधरी द्वारा शुरू किए गए निजी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में भी भाग लिया।

भारत ने जीरो का ज्ञान दिया तब दुनिया को गिनती आई : हरिभाऊ बागडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को छत्रपति संभाजी नगर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने इस दौरान भारत की महान विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि भारत ने जब जीरो का ज्ञान दिया तब दुनिया को गिनती आई।

उन्होंने नालन्दा विश्वविधालय में बख्तियार खिलजी द्वारा भारतीय ज्ञान से जुड़ी पुस्तकें जलाने का जिक्र करते हुए कहा कि चिकित्सा के महान ग्रन्थ इसलिए आग के हवाले कर दिए गए कि भारत रोग निदान में उस समय भी अग्रणी था।

राज्यपाल ने प्राचीन भारतीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़े ज्ञान के आलोक में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने तक्षशिला विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले महान चिकित्सक जीवक और चरक, सुश्रुत जैसे विद्वानों की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीन ज्ञान को सहेजते हुए चिकित्सा सेवाओं को समृद्ध और संपन्न किया जाए। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, और चिकित्सकों को सेवा भाव रखते हुए सस्ती, सुलभ और प्रभावी चिकित्सा को केंद्र में रखकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने आईएमए संगठन के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने और जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को सम्मानित भी किया।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार ने किया तुष्टीकरण का नंगा तांडव : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फलौदी/एजेन्सी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पर तुष्टीकरण का नंगा तांडव करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि दुर्भाग्य है कि उसने जिस तरह से आचरण और व्यवहार किया है, इसका प्रभाव वर्ष 2026 में आने वाले विधानसभा चुनाव में दिखेगा।

शेखावत रविवार को यहां पत्रकार वार्ता में पश्चिम बंगाल की परिस्थिति पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि बंगाल में हर जुल्म का हिसाब होगा। उन्होंने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर राज्य का विषय है। दुर्भाग्य है कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने जिस तरह से आचरण और व्यवहार किया है, तुष्टीकरण का नंगा तांडव किया है, यह हमको आजादी के पहले के जिन्ना के डायरेक्ट एक्शन का स्मरण कराता है। उस समय बंगाल में हजारों हिंदुओं का कत्लेआम हुआ था। शेखावत ने कहा कि वह भरोसे के साथ में कह सकते हैं कि इसका प्रभाव वर्ष 2026 में आने वाले विधानसभा चुनाव में दिखेगा और तृणमूल कांग्रेस की आतताई सत्ता को बंगाल की जनता उखाड़ कर फेंक देगी। उन्होंने कहा कि ऐसे हर जालिम का, जिसने जुल्म किया है, उसका पूरा हिसाब बराबर होगा।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के सवाल पर श्री शेखावत ने कहा कि यह कांग्रेस या इंदिरा गांधी की सरकार नहीं है कि जब चलते-चलते अनुच्छेद 356 को लागू किया जाता है। यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है।

लोकतंत्र में आस्था रखने वाली सरकार है। संविधान में आस्था रखने वाली सरकार है। यह नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो संविधान की पुस्तक को शीश नमन करके प्रणाम करती है, जिसमें लिखा गया है कि असाधारण स्थिति में अनुच्छेद 356 को इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जब ऐसी परिस्थिति आएगी तो निश्चित रूप से उस पर विचार किया जाएगा।

रणथम्भौर अभ्यारण्य में थम नहीं रहा बाघ का आतंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर/एजेन्सी। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर बाघ अभयारण्य की परिधि क्षेत्र में बाघ का आतंक बरकरार है।

सूत्रों ने रविवार को बताया कि रणथम्भौर दुर्ग में सात वर्षीय बालक कार्तिक की बाघिन के हमले में हाल ही में हुई मौत के बाद अब एक बाघ द्वारा पुराने शहर के भैरू दरवाजा स्थित राधा गोविंद मंदिर परिसर में दो बछियाओं के शिकार से लोगों में गहरा रोष है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात मंदिर की सेवा पूजा करने के बाद गायों को चारा डालकर खूंटे से बांधकर घर गए राधा गोविंद के पुजारी जितेंद्र जोशी सुबह जब मन्दिर पहुंचे तो मन्दिर परिसर में बंधी दो बछियाओं को बाघ रात में अपना निवाला बना चुका था। बछियाओं के शव के पास बाघ के पगचिन्ह मिले हैं। बाघ के इस हमले के दौरान मंदिर में कोई नहीं था। फिलहाल पुजारी जितेन्द्र ने वन विभाग से मुआवजा देने की मांग की। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इसी क्षेत्र में एक तेंदुए ने एक गाय को अपना शिकार बनाया था।

महिला की हत्या करके पैर काटकर चांदी के कड़े लूटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर/एजेन्सी। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के गंगापुर सिटी में बामनवास उपखंड के जाहिरा गांव में रविवार को बदमाशों द्वारा एक महिला का गला काटकर हत्या के बाद महिला के पैरों को काटकर करीब डेढ़ किलो चांदी के कड़े ले जाने का मामला सामने आया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उर्मिला देवी मीणा (50) सुबह जंगल में लकड़ियां लेने गई थीं, लेकिन कई घंटे बाद भी जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की। जंगल के पास एक खेत में उसका शव मिला। उर्मिला देवी के गले में गहरा घाव था। दोनों पैरों के साथ ही पहने हुए कड़े भी नहीं मिले। महिला के परिजनों ने आस-पास खोजबीन की तो पास में ही कुंड में महिला के पैर मिल गये।

घटना का पता चलने पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीलकमल, गंगापुर सिटी पुलिस उपाधीक्षक संतराम, बामनवास पुलिस उपाधीक्षक सीताराम, बाटोदा और बामनवास थानाधिकारी, बामनवास उपखंड अधिकारी और तहसीलदार मौके पर पहुंच गये। वे ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

इस सनसनीखेज वारदात से गुस्साए लोगों ने शव बामनवास-गढ़मोरा मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया और नारेबाजी करके प्रदर्शन किया। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों की तरफ से उन्हें समझाने के प्रयास किये जा रहे है, लेकिन ग्रामीणों ने मृतक महिला के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं आरोपियों को 24 घंटे में गिरफ्तार करने की मांग की है।

अलवर में साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

अलवर/एजेन्सी। राजस्थान में अलवर जिले के नौगावा थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी प्रभावित स्थान पर दबिश देकर एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी भूपेंद्र सिंह ने रविवार को बताया की मुखबिर से मिली सूचना पर कालाघाटा गांव में साइबर ठग शोएब (22) को गिरफ्तार करके उससे ठगी में प्रयुक्त दो मोबाईल एवं सिम बरामद किए। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

अधीक्षण अभियंता के ठिकानों की तलाशी में करोड़ों के आवासीय भूखंड, फार्म हाउस एवं लाखों के आभूषण मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग प्रोजेक्ट वृत्त बांसवाडा के अधीक्षण अभियन्ता अशोक कुमार जांगिड़ के जयपुर शहर सहित विभिन्न ठिकानों पर आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने के मामले में रविवार को चलाये गये तलाशी अभियान में करीब चार करोड रुपए की माईनिंग मशीनरी, करोड़ों रुपए की 55 आवासीय भूखण्ड, माईनिंग लीज, कृषि भूमि, दुकाने एवं फार्म हाउस वगैरा परिसम्पत्तियां, पावटा में निर्माणाधीन शॉपिंग मॉल एवं तीन मंजिला व्यवसायिक परिसर, जयपुर में दो व्यवसायिक परिसर, पावटा में 40 बीघा में दो फार्म हाउस मिले तथा करीब 35 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण एवं लगभग दो लाख रुपए की नगदी मिली।

एसीबी के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की विभिन्न टीमों द्वारा जयपुर, पावटा, उदयपुर, अजमेर, मालपुरा एवं बांसवाडा में आज अल सुबह कार्यवाही करते हुये श्री जांगिड के विरूद्ध दर्ज आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने के मामले में आरोपी के 13 विभिन्न ठिकानों पर छापा मारकर तलाशी अभियान चलाया गया एवं राज्य के छह विभिन्न खनिज कार्यालय एवं उपपंजियक कार्यालय से रिकॉर्ड प्राप्त किया गया।

डा मेहरड़ा ने बताया कि सूचना मिली थी कि जांगिड द्वारा भ्रष्टाचार से अपने एवं अपने परिजनों के नाम से अपनी वैध आय से आनुपातिक रूप से अधिक चल-अचल सम्पत्तियों अर्जित की गई है. जिनकी अनुमानित खरीद कीमत करोड़ों रुपयों से अधिक है। उल्लेखनीय है कि आरोपी अशोक कुमार जांगिड अधीक्षण अभियन्ता बांसवाडा स्थानान्तरण से पूर्व लम्बे समय तक रूडसिको एवं आरयूडीआईपी जयपुर में महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापित रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस अधिकारी द्वारा कानून से बेखौफ होकर आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने की पुष्टि हुई, जिस पर ओपरेशन बेखौफ चलाया जाकर विस्तृत रूप से तथ्य संकलित किये गये एवं तथ्यों की पुष्टि होने पर करीब 11 करोड़ 52 लाख 70 हजार 848 रुपए (161 प्रतिशत) की परिसम्पतियां वैध आय से अधिक अर्जित का मामला बनना पाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया और एसीबी की विभिन्न टीमों के करीब 250 एसीबी के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने एक साथ अलसुबह आरोपी के जयपुर, पावटा, उदयपुर, अजमेर, मालपुरा एवं बांसवाडा स्थित 13 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की गई एवं राज्य के विभिन्न खनिज कार्यालय व उप पंजियक कार्यालय से रिकॉर्ड प्राप्त किया गया।

जागृत परिवार के लिए हर माता को बनना होगा जीजा माता : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को अजमेर में जन चेतना मंच ने स्वर्गीय सुंदर सिंह भंडारी स्मृति व्याख्यान माला और अभिनंदन समारोह में मेवाड़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया। इस सम्मान को पाने वाले श्री देवनानी तीसरे व्यक्ति हैं। इससे पहले यह सम्मान स्व. सुंदर सिंह भंडारी और गुलाबचंद कटारिया को मिल चुका है। देवनानी को यह सम्मान उनकी उल्लेखनीय समाज सेवा, राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों और वैचारिक क्रांति के लिए दिया गया है।

स्व. सुन्दर सिंह भंडारी के 105 वें जन्मदिवस पर जन चेतना मंच द्वारा 'जागृत परिवार ही सशक्त राष्ट्र का आधार' विषय पर आयोजित स्व. सुन्दर सिंह भंडारी स्मृति व्याख्यान माला और अभिनंदन समारोह में देवनानी ने कहा कि उनका मेवाड़ से पुराना व गहरा संबंध रहा है। इस सम्मान को पाकर वे गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। मेवाड़ की धरा महाराणा प्रताप के शौर्य, पन्नाधाय के त्याग और मीराबाई की भक्ति के लिए जानी जाती है। शिक्षा मंत्री के दायित्व के दौरान उन्हें 'अकबर महान' के पाठ को हटाकर 'प्रताप महान' के पाठ को जोड़ने का गौरवशाली कार्य करने का मौका मिला था।

देवनानी ने कहा कि स्व.भंडारी महान विचारक थे। उनका जीवन तपस्वी की भांति सादगीपूर्ण था। राज्यपाल होते हुए भी वे अपने कपड़े स्वयं धोते थे। ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी स्वर्गीय भंडारी के जीवन के आदर्शों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

देवनानी ने कहा कि भारत सनातन संस्कृति की राह पर है। इसके मूल में भारतीय संस्कार हैं और संस्कार ही परिवार को जागरूक रखते हैं। जागरूक परिवार ही सशक्त भारत का आधार है। देवनानी ने कहा कि परिवार को जागृत रखने के लिए प्रत्येक बच्चे की माता को जीजा माता बनना होगा।

देवनानी ने कहा कि हम पुन: संयुक्त परिवार की ओर लौट रहे हैं। यह सशक्त भारत और श्रेष्ठ भारत के लिए सुखद संकेत है। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। राष्ट्र विकास के लिए हम सभी को इस क्षेत्र में भागीदारी निभाने का संकल्प लेना होगा। हमें आपस में कुटुंब प्रबोधन पर चर्चा करने की आवश्यकता है। आपसी संवाद ही युवाओं को अवसाद से मुक्ति दे सकता है ताकि युवा आत्महत्या की प्रवृत्ति से दूर हो सके।

कुख्यात बदमाश सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में उदयपुर जिले के सूरजपोल थाना क्षेत्र में पुलिस ने नरेश हरिजन गिरोह के कुख्यात बदमाश सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार करके तीन पिस्तौलें, एक प्रतिबंधित पंप एक्शन गन एवं 33 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने रविवार को बताया कि पुलिस ने नरेश हरिजन गिरोह के कुख्यात बदमाश नरेश हरिजन के पुत्र अनिकेत चौहान, भगवान लाल उर्फ भगवती और इमरान उर्फ सरिया को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि नरेश हरिजन थाना सुखेर का कुख्यात बदमाश है, जिसने शहर के एक अन्य बदमाश को मारने के लिए जयपुर के बदमाश इमरान उर्फ सरिया को साढ़े तीन लाख रुपए की सुपारी देकर हथियार सहित उदयपुर बुलाया था। उन्होंने बताया कि इस बारे में मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस दल ने दबिश देकर उन्हें हथियारों सहित दबोच लिया। वे उस समय हत्या का षड्यंत्र रच रहे थे।

बंगाल सरकार मुर्शिदाबाद हिंसा प्रभावित लोगों की शिकायतों का समाधान करे : एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार से मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित लोगों, विशेषकर महिलाओं की शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयोग एक रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही केंद्र को सौंपा जाएगा और उसकी प्रतियां राज्य के शीर्ष अधिकारियों को भेजी जाएंगी।

रहाटकर ने शहर के एक होटल में संवाददाताओं से कहा कि पिछले दो दिनों में वह और समिति की अन्य सदस्य कई महिलाओं, उनके परिवारों और बच्चों से मिली हैं। एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने कहा कि पीड़िताओं ने जो यातनाएं झेली हैं, वे ''कल्पना से परे हैं, जिन्हें शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनके मन पर गहरा घाव छोड़ गई हैं'' जिन्हें मानवीय दृष्टिकोण के साथ तत्काल भरने और समाधान करने की जरूरत है। उन्होंने राज्य प्रशासन द्वारा विश्वास बहाली के उपायों की वकालत करते हुए कहा, ''शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।''

एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा कि आयोग उन सभी महिलाओं के विचारों को शामिल करते हुए एक रिपोर्ट तैयार कर रहा है -- जिन्होंने अपनी आपबीती सुनाई और जिन्होंने अपनी जान और गरिमा बचाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी सुरक्षा एजेंसियों को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी जाएगी और इसकी प्रतियां जल्द ही पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव को भेजी जाएंगी।

क्षेत्र में बीएसएफ के शिविर खोले जाने संबंधी महिलाओं की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हां, उनमें से कई ने यही कहा है। क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है। हम निश्चित रूप से अपनी रिपोर्ट में उनके विचारों को शामिल करेंगे।''

रहाटकर ने राज्य सरकार से ''इन लोगों की पीड़ा को दूर करने के लिए शीघ्र और तत्काल कार्रवाई करने'' की अपील की। एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने कहा, ''उन्हें न्याय दीजिए, उनके आंसू पोंछिए, उनके नुकसान (घरों और संपत्तियों को हुए नुकसान और सामान की लूट) की भरपाई के लिए तत्काल मुआवजे की व्यवस्था कीजिए।'' उन्होंने हिंसा प्रभावित इन लोगों के लिए उपयुक्त सुरक्षा और उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा करने की मांग करते हुए कहा, ''ऐसा करना इस सरकार का नैतिक कर्तव्य है। वे हमारे अपने लोग हैं, वे राज्य की बेटियां हैं।''

रहाटकर ने कहा, उन्होंने जो कुछ भी झेला, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई से बनाए गए घरों को टूटते और जलते हुए देखा। उन पर हमला किया गया, उन्हें धमकाया गया और बाहर निकाल दिया गया। महिलाओं पर अत्याचार किया गया, उन्हें उनके घरों से भगा दिया गया। उन्हें उन गांवों से भी निकाल दिया गया, जहां वे वर्षों से रह रही थीं। इतने दिनों में कोई भी उनसे मिलने नहीं आया।

मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे तृणमूल-भाजपा की मिलीभगत, न्यायिक जांच कराई जाए : माकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों की न्यायिक जांच की मांग करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए मिलकर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रही हैं।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में माकपा के सहयोगी संगठनों की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश सचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ''प्रतिस्पर्धात्मक सांप्रदायिकता'' में संलिप्त हैं।

सलीम ने कहा, ''हम सच्चाई सामने लाने के लिए मुर्शिदाबाद दंगों की न्यायिक जांच चाहते हैं। तृणमूल और भाजपा प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता में लिप्त हैं, जो आम लोगों को प्रभावित करने वाले वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक हताश चाल के अलावा और कुछ नहीं है।'' केंद्र की ओर से अधिसूचित वक्फ (संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए सलीम ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया और उस पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''कानून (वक्फ संशोधन अधिनियम) पूरे देश के लिए संशोधित किया गया है। इसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन मुर्शिदाबाद को छोड़कर कहीं भी दंगे नहीं हुए। इससे गंभीर सवाल उठते हैं।''

वरिष्ठ वामपंथी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा व तृणमूल 2026 के चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए ''एक-दूसरे की मदद'' कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, ''2026 के चुनावों से पहले भाजपा और तृणमूल एक-दूसरे की मदद कर रही हैं, ताकि धर्म के नाम पर माहौल बनाया जा सके और लोग बंट जाएं।'' सलीम ने केंद्र के विकास के नारे पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''भाजपा नीत केंद्र सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के अपने नारे को 'सबका सत्यानाश' में बदल दिया है।''

भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने ''एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि'' के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। संघ प्रमुख अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर हैं।

भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया है, जिसे केवल समरसता के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया। आरएसएस सूत्रों के अनुसार भागवत ने हिंदू समाज की आधारशिला के रूप में संस्कार के महत्व को रेखांकित किया और सदस्यों से परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समाज बनाने का आग्रह किया। उन्होंने आरएसएस सदस्यों से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने और उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने की वकालत की ताकि जमीनी स्तर पर सद्भाव और एकता का संदेश फैलाया जा सके।

भागवत ने कहा कि परिवार समाज की मूलभूत इकाई है, जो संस्कार से प्राप्त मजबूत पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने राष्ट्रवाद और सामाजिक एकता की नींव को मजबूत करने के लिए त्योहारों के सामूहिक उत्सव को प्रोत्साहित किया। सत्रह अप्रैल से शुरू हुए अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान आरएसएस प्रमुख बृज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के आरएसएस प्रचारकों से प्रतिदिन मिल रहे हैं और उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा: अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर पश्चिम बंगाल में ''दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार'' करने का आरोप लगाने के लिए मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर रविवार को निशाना साधा और मुर्शिदाबाद हिंसा को रोकने में कथित विफलता के कारण उनके इस्तीफे की मांग की।

मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री लगातार दावा कर रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की साजिश बाहरी तत्वों ने रची थी लेकिन 11-12 अप्रैल को जिले के कुछ हिस्सों में हुए दंगों को लेकर राज्य पुलिस बल का बयान उनके दावों के विपरीत है।

बनर्जी ने शनिवार रात को एक खुले पत्र में आरोप लगाया था कि भाजपा और आरएसएस ने राज्य में ''दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार'' शुरू किया है। बजर्नी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा था कि ''ये ताकतें (भाजपा एवं आरएसएस) उकसावे पर हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल विभाजनकारी राजनीति करने के लिए कर रही हैं।'' उन्होंने एक खुले पत्र में कहा था, ''पश्चिम बंगाल में भाजपा और उसके सहयोगी अचानक बहुत आक्रामक हो गए हैं। इन सहयोगियों में संघ भी शामिल है। मैंने पहले संघ का नाम नहीं लिया था लेकिन अब मुझे उसका नाम लेने के लिए मजबूर होना

पड़ रहा है। इन सभी ने मिलकर राज्य में दुष्प्रचार अभियान शुरू किया है।''

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सह-प्रभारी मालवीय ने बनर्जी के आरोपों का पुरजोर खंडन करते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में उनसे सभी नागरिकों की निष्पक्ष सेवा करने की अपेक्षा की जाती है लेकिन ममता बनर्जी ऐसा करने के बजाय अपने आधिकारिक 'लेटरहेड' का उपयोग कर अपने प्रशासन की विफलताओं के लिए मुख्य विपक्षी दल और एक गैर-राजनीतिक संगठन को दोषी ठहरा रही हैं। ऐसा तब किया जा रहा है, जब उनके अपने पुलिस बल ने उनके इस कथन को खारिज कर दिया है कि मुर्शिदाबाद में हिंदू विरोधी हिंसा बाहरी तत्वों ने भड़काई थी।''

भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख ने कहा, ''हाल में उन्होंने एक वाक्य को दोहराना शुरू किया है: 'मैंने पहले उनका नाम नहीं लिया, लेकिन अब ले रही हूं।' विडंबना यह है कि उन्होंने कुछ ही दिनों पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधने के लिए भी इसी वाक्य का इस्तेमाल किया था और उन पर उन्होंने पहले भी बिना सबूत के आरोप लगाए हैं। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ भी इसी तरीके से लगातार, निराधार और राजनीति से प्रेरित आरोप लगा रही हैं।'' भाजपा नेता ने बनर्जी के कार्यकाल के दौरान सालों पहले हुए खागरागढ़ विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा, ''इस रणनीति का एक और सटीक उदाहरण खागरागढ़ आतंकी विस्फोट के दौरान था जिसमें जमात के सदस्य शामिल थे। उस समय एक तृणमूल नेता द्वारा किराए पर लिए गए घर में विस्फोट हुआ था।'' उन्होंने कहा, ''ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक को बचाने के लिए आरएसएस पर बिना किसी सबूत के आरोप लगा दिया था। ऐसा लगता है कि जब भी उनकी राजनीतिक स्थिति खतरे में होती है तभी वह हिंदू समुदाय को निशाना बनाने लगती हैं।''

मालवीय ने मुख्यमंत्री पर विश्वसनीयता खोने का आरोप लगाते हुए कहा, ''इससे विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठता है: राज्य की मुख्यमंत्री और सीआईडी पर सीधे नजर रखने वाली राज्य की गृह मंत्री होने के नाते ममता बनर्जी से मुर्शिदाबाद हिंसा की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, खासकर तब जब उनकी अपनी सरकार में राज्य के शीर्ष अधिकारियों का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है?'' भाजपा नेता ने कहा, ''पश्चिम बंगाल पुलिस को रैलियों के बारे में पहले से जानकारी थी। फिर उन्हें पहले से क्यों नहीं रोका गया? क्या भीड़, हथियार और पत्थर अचानक से आ गए?'' उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बार-बार जनता को गुमराह किया है। जवाबदेही तय करने में बहुत देर हो गई है- ममता बनर्जी को पद छोड़ देना चाहिए।''

मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य लोग घायल हो गए और कई संपत्तियों में तोड़-फोड़ की गई।

मुख्यमंत्री माझी ने ओडिशा औद्योगिक सुरक्षा बल की एक और बटालियन के प्रस्ताव को मंजूरी दी

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में ओडिशा औद्योगिक सुरक्षा बल (ओआईएसएफ) की एक और बटालियन के गठन से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि माझी ने शनिवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया कि इस नई बटालियन के लिए कुल 1,040 पद भी सृजित किए गए हैं। राज्य में पहले से ही ओआईएसएफ की एक बटालियन है। इसमें कुल पदों की संख्या 1,807 है। नई बटालियन के गठन के बाद दोनों बटालियन में पदों की कुल संख्या 2,847 हो जाएगी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, राज्य में बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए और विभिन्न औद्योगिक केंद्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने ओआईएसएफ में एक और बटालियन जोड़ने का फैसला किया है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के दौरान माझी ने कहा था कि राज्य सरकार ओआईएसएफ के लिए 3,000 सुरक्षाकर्मियों की भर्ती करने की योजना बना रही है।

जद(यू)-भाजपा गठबंधन अवसरवादी है, नीतीश महज कुर्सी के लिए बदलते हैं पाला : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बक्सर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्तारूढ़ गठबंधन को रविवार को 'अवसरवादी' करार देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केवल 'कुर्सी' के लिए पाला बदलते हैं।

खरगे ने यहां डलसागर स्टेडियम में पार्टी की 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' रैली को संबोधित करते हुए बिहार के लोगों से इस साल के उत्तरार्द्ध में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को सत्ता से बाहर करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''नीतीश कुमार और भाजपा के बीच गठबंधन अवसरवादी है। यह राज्य के लोगों के लिए अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार सिर्फ 'कुर्सी' (मुख्यमंत्री पद) के लिए पाला बदलते हैं। जदयू प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है।'' उन्होंने सवाल किया कि बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए के पैकेज के प्रधानमंत्री मोदी के वादे का क्या हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ''झूठ की फैक्टरी'' चला रहे हैं। खरगे ने दावा किया, ''बिहार के लोगों को नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 अगस्त 2015 को बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? मोदी जी झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजग सरकार को सत्ता से बाहर करने तथा 'महागठबंधन' के दलों को वोट देने का आह्वान किया। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हाल में दाखिल किये गये आरोपपत्र पर खरगे ने कहा,''यह कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए किया गया है। हमारे नेताओं को डराया नहीं जा सकता है। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने यह आरोप भी लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा समाज के 'कमजोर वर्गों के कल्याण के पक्ष में नहीं है। उन्होंने दावा किया, वे गरीबों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ हैं...वे (आरएसएस-भाजपा) समाज की बेहतरी के बारे में नहीं सोच सकते।

जब तक वक्फ कानून वापस नहीं लिया जाता, इसके खिलाफ तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा: ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र पर मुस्लिम पहचान एवं अधिकारों को ''निशाना बनाने'' का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब तक वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस नहीं ले लिया जाता, तब वह वह इसके खिलाफ प्रदर्शन जारी रखेंगे।

ओवैसी ने 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' (एआईएमआईएम) द्वारा शनिवार रात यहां एआईएमआईएम मुख्यालय में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस कानून का विरोध उसी तरह किया जाएगा जिस तरह अब निरस्त किए जा चुके कृषि कानूनों का विरोध किया गया था। उन्होंने कहा, ''आपको (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को) इस कानून को वापस लेना होगा। हमारे किसान भाइयों ने जिस तरह से रास्ता दिखाया है, हम उसी तरह आंदोलन करते रहेंगे। जब तक कानून वापस नहीं लिया जाता, देश में तब तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।'' उन्होंने जनसभा में एकत्र लोगों से कहा, ''क्या आप एक लंबी लोकतांत्रिक लड़ाई के लिए तैयार हैं? यदि आप तैयार हैं तो खुद से वादा करें कि जब तक यह काला कानून वापस नहीं लिया जाता, हम तब तक विरोध करते रहेंगे और पीछे नहीं हटेंगे।'' ओवैसी ने तीन तलाक कानून, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में धर्मांतरण कानूनों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले 11 साल से मुसलमानों की धार्मिक पहचान पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अब वह (मोदी) समान नागरिक संहिता के नाम पर हमसे हमारी शरीयत छीनना चाहते हैं।''

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडि' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडि' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडि' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी। सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही। यादव ने दावा किया, जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मृत्यु के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा, जो इतिहास एक दूसरे को ऊंच- नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए। सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

आंध्र प्रदेश में इंजन चोरी के मामले में नौ लोग गिरफ्तार

पेनुकोंडा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्री सत्य साई जिले में स्थित किआ मोटर्स के संयंत्र से 900 इंजन चोरी होने के सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पेनुकोंडा की अदालत ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, अभी तक केवल दस प्रतिशत जांच पूरी हुई है। नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और हम अपराध के तरीकों की जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने साथ ही खुलासा किया कि चोरी किये गये इंजनों की तस्करी की जाती थी और इन्हें भारत के कई राज्यों में बेचा जाता था।

पिछले महीने अपने कारखाने में आंतरिक ऑडिट के दौरान किआ मोटर्स के अधिकारियों को इंजन गायब होने के बारे में पता चला। पुलिस में 19 मार्च को इस संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, क्योंकि यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है: आवेश खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है।

आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमश: पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा। आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश

करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है।''

आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके आठ विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।''

आवेश ने कहा, ''आईपीएल में बड़े स्कोर बन रहे हैं और गेंदबाज काफी रन दे रहे हैं। पहले ओवर में मैंने भी 13 रन दिए लेकिन मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करता हूं और अपनी रणनीति को सही तरह से लागू करने पर ध्यान देता हूं।'' इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 18वें ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के आउट होने से लखनऊ को काफी फायदा मिला क्योंकि इससे डेथ ओवरों में दो नए बल्लेबाज क्रीज पर थे। उन्होंने कहा, ''अगर कोई नया बल्लेबाज आता है, तो उसके लिए यह इतना आसान नहीं होता है। नए बल्लेबाज के लिए, किसी भी स्थिति में आना मुश्किल होता है, खासकर जब गेंद थोड़ी नीचे रह रही हो।''

सुविचार

सफलता पूर्णता, कड़ी मेहनत, असफलता से सीखने, निष्ठा और दृढ़ता का परिणाम है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रपति शासन ही समाधान!

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में जिस तरह हिंसा भड़की और हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उससे तृणमूल कांग्रेस सरकार की विफलता और मंशा उजागर हो गई है। क्या राज्य सरकार के पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि उपद्रवी एकजुट हो रहे हैं तथा पथराव, आगजनी और लूटमार करने के लिए साजिशें रच रहे हैं अथवा उसने जान-बूझकर उदासीनता बरती कि कहीं वोटबैंक नाराज न हो जाए? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जब कांग्रेस के झंडे तले अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था, तब वे प. बंगाल में बांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिंसा, अव्यवस्था, अराजकता और कुप्रबंधन के लिए वामपंथी दलों को आड़े हाथों लेती थीं। क्या आज वही सब दोहराया नहीं जा रहा है? बस फर्क इतना है कि अब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर खुद ममता बनर्जी बैठी हैं, जिन्होंने हालिया हिंसा के बाद अपनी सरकार की नाकामी स्वीकार करने के बजाय उसका ठीकरा बीएसएफ और केंद्रीय एजेंसियों पर फोड़ना शुरू कर दिया! ममता का इमामों के साथ एक बैठक में यह कहना कितना न्यायोचित है कि 'मुझे ऐसी खबरें मिली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद में अशांति के पीछे सीमापार से आए तत्त्वों की भूमिका का दावा किया गया है ... क्या सीमा की सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका नहीं है? राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए ...'? बेशक प. बंगाल में लाखों बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए हैं, जो राज्य की शांति व सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने भारत-बांग्लादेश सीमा की भौगोलिक विषमताओं का फायदा उठाकर घुसपैठ की है और आबादी में घुलमिल गए हैं। सवाल है- तृणकां सरकार ने घुसपैठियों को नकेल डालने के लिए क्या किया? उनके पास फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र समेत कई दस्तावेज हैं, जो बगैर राजनीतिक आशीर्वाद के नहीं बन सकते। क्या ममता बनर्जी ध्रुवीकरण का वही पुराना दांव चलते हुए घुसपैठियों को अपने वोटबैंक की तरह इस्तेमाल नहीं कर रही हैं?

आज प. बंगाल के जो हालात हैं, वे रातोंरात पैदा नहीं हुए हैं। सोशल मीडिया पर तो यह चर्चा है कि कहीं बंगाल नब्बे के दशक का कश्मीर न बन जाए। वहां वोटबैंक के लालच में कट्टरपंथियों, उपद्रवियों के प्रति जिस तरह ढीला रवैया बरता जा रहा है, उससे देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। मुर्शिदाबाद से कई हिंदू परिवार मालदा और अन्य क्षेत्रों में पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। उन्हें राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। ये लोग अपने ही देश में शरणार्थी बन गए हैं। जब राष्ट्रीय महिला आयोग का प्रतिनिधिमंडल उन शिविरों में रह रहीं महिलाओं से मिला तो उन्होंने अपनी जमीन पर बीएसएफ कैंप लगवाने का अनुरोध क्यों किया? क्या यह स्थानीय पुलिस और प्रशासन पर लोगों के अविश्वास को नहीं दर्शाता? प. बंगाल में हिंदुओं पर सुनियोजित हिंसा के कारण जो दयनीय हालात बने हैं और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आंखें मूंदे हुए हैं, उसको देखते हुए राज्य में तुरंत राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। नेतागण आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं। क्या इससे लोगों का जीवन सुरक्षित होगा? कभी-कभी लगता है कि केंद्र सरकार राष्ट्रपति शासन लागू करने से हिचकिचा रही है। उसे डर है कि कहीं उच्चतम न्यायालय फटकार लगाते हुए राष्ट्रपति शासन न हटा दे। अगर अब प. बंगाल में इसे लागू नहीं किया तो वहां से हिंदुओं के पलायन को नहीं रोका जा सकेगा। कश्मीर में वर्षों बाद कुछ शांति आई है, फिर भी वहां हमले पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। वहीं, प. बंगाल के हालात संकेत दे रहे हैं कि अभी ज्यादा देर नहीं हुई है। केंद्र सरकार थोड़ी दृढ़ता और इच्छाशक्ति दिखाए तो चीजें सुधर सकती हैं। उसने समय रहते सख्ती न बरती तो तृणकां का रवैया देश को बहुत महंगा पड़ सकता है। हिंदुओं को यूं ही मरने के लिए छोड़ देना सही नहीं है। फिर, यह सिलसिला किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहेगा। उपद्रवियों के हौसले ज्यादा बढ़ जाएं, उससे पहले ही प. बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर शांति स्थापित कर देनी चाहिए। इसके बगैर वहां न तो हिंदू सुरक्षित रहेंगे और न ही निष्पक्ष चुनाव संभव होंगे। अन्य राज्यों में भी बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें स्वदेश भेजने का इंतज़ाम करना चाहिए। अन्यथा भविष्य में समस्याएं बढ़ती रहेंगी।

ट्वीटर टॉक

शेखावाटी दौरे के प्रथम दिन खंडेला विधानसभा क्षेत्र के रींगस में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों का अपार स्नेह प्राप्त किया। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए उन्हें हमारी सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की।

-भजनलाल शर्मा

विख्यात जैसलमेर किले का पूर्व महारावल श्री चैतन्यराज जी और पोकरण विधायक मंहत श्री प्रताप पुरी जी के साथ गहन निरीक्षण किया। हमारे बीच किले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आभा बनाए रखने पर उद्देश्यपूर्ण विमर्श हुआ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

खबरों को देखकर लगता है कि राजस्थान नशा तस्करी करने वालों के लिए एक नया केन्द्र बन चुका है। नशा तस्करों ने दूसरे राज्यों मे नशा बेचने के लिए राजस्थान को एक तस्करी कॉरिडोर की तरह बना लिया है एवं यहां के युवाओं को भी इससे बर्बादी की चपेट में ले रहे हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अपना अपना स्वभाव

एक बार एक भला आदमी नदी किनारे बैठा था। तभी उसने देखा एक बिच्छू पानी में गिर गया है। भले आदमी ने जल्दी से बिच्छू को हाथ में उठा लिया। बिच्छू ने उस भले आदमी को डंक मार दिया। बेचारे भले आदमी का हाथ काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए दुबारा उठा लिया। बिच्छू ने दुबारा उस भले आदमी को डंक मार दिया। भले आदमी का हाथ दुबारा काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए एक बार फिर उठा लिया। वहाँ एक लड़का उस आदमी का बार-बार बिच्छू को पानी से निकालना और बार-बार बिच्छू का डंक मारना देख रहा था। उसने आदमी से कहा, आपको यह बिच्छू बार-बार डंक मार रहा है फिर भी आप उसे डूबने से क्यों बचाना चाहते हैं? भले आदमी ने कहा, बात यह है बेटा कि बिच्छू का स्वभाव है डंक मारना और मेरा स्वभाव है बचाना। जब बिच्छू एक कीड़ा होते हुए भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तो मैं मनुष्य होकर अपना स्वभाव क्यों छोड़ूँ? मनुष्य को कभी भी अपना अच्छा स्वभाव नहीं भूलना चाहिए।

सामयिक

सबके लिए शिक्षा का सपना

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

देश में शिक्षा समान रूप से सभी बच्चों तक पहुंचे, यह सपना स्वतंत्रता के पूर्व का है। सन 1870 में ब्रिटेन में 'अनिवार्य शिक्षा अधिनियम' पारित तो इसे आधार बनाकर हंटर कमीशन से ज्योतिबाफुले ने देश के प्रत्येक बच्चे के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की मांग की थी। सन 1906 में इंपीरियल लेजिसलेटिव असेंबली से गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा भारतीय बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार का विधेयक लाया गया, किन्तु यह पास नहीं हुआ। सन 1937 में महात्मा गांधी ने वर्धा में 'राष्ट्रीय शिक्षा परिषद' की बैठक में शिक्षा के सार्वभौमीकरण का प्रस्ताव रखा, लेकिन वित्तीय संसाधन के अभाव के आधार पर यह निरस्त हो गया था। महात्मा गांधी चुप बैठ जाने वाले व्यक्ति नहीं थे। उनकी स्वतंत्र भारत की जो परिकल्पना थी, उसमें शिक्षा एक प्रमुख आयाम था। उन्होंने समय-समय पर 'बुनियादी शिक्षा' और 'समग्र जीवन शिक्षा' की योजनाएं प्रस्तुत की। 'समवाय पद्धति' शिक्षा में उनका एक महत्वपूर्ण नवाचार है। इस सम्बन्ध में उनका मत था कि शिक्षा किसी आधारभूत शिल्प से जोड़कर दी जानी चाहिए, इससे यह सीधे-सीधे जीवन से जुड़ जाएगी। इसके लिए कृषि, मृदा शिल्प, कताई-बुनाई, बढ़ईगीरी, चमड़ा, बागवानी, मधुमक्खी पालन, जिल्दसाजी, संगीत, नृत्य, चित्रकला जैसे जिन आधारभूत शिल्प को उन्होंने लिया, वह परम्परागत भारतीय जीवन के साथ सदियों से सम्बद्ध रहे हैं। नए सिरे से शिक्षा से जुड़कर यह अर्थव्यवस्था के लिए भी बरदान बन सकते थे। गांधीजी ने समुदाय के सहयोग से इस प्रकार की शिक्षा के लोकव्यापीकरण का प्रयास भी किया था।

सन 1948-49 में संविधान सभा के समक्ष भी यह प्रश्न उपस्थित हुआ, किन्तु सलाहकार समिति इसे मौलिक अधिकार न मानते हुए 'नीति निदेशक सिद्धान्त' से सम्बद्ध कर दिया। सिद्धान्त के अनुच्छेद-45 के अनुसार, राज्य इस संविधान के लागू होने के 10 साल की अवधि में सभी बच्चों के लिए जब तक कि वह 14 साल की आयु प्राप्त नहीं कर लेते, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा। मगर स्वतंत्रता के पश्चात दस-दस साल करते यह सिलसिला धीरे धीरे ठंडे बस्ते में चला गया। प्रो. डी. एस. कोठारी आयोग (1964-66) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 जैसे महत्वपूर्ण कमीशन आए गए। बाद मे प्रोग्राम ऑफ एक्शन 1992 में प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की बड़ी-बड़ी उद्घोषणाएं हुईं, किन्तु यह धरातल पर नहीं उतर पाया। सन 1999 में राजग की सरकार आई। अटल विहारी वाजपेयी की कैबिनेट में मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन मंत्री थे। वह प्राध्यापक तो थे ही, भारतीय शैक्षिक दर्शन को लेकर उनके पास एक साफ दृष्टि भी थी। उन्होंने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986', 'प्रोग्राम ऑफ एक्शन-1992' और देश के बड़े भूभाग में सन 1994 से संचालित 'डीपीईपी.' को एकीकृत करके पूरे देश के लिए 'जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम-।।।' लागू किया। इसमें सीधे-सीधे महात्मा गांधी के 'समवाय शिक्षा' के शिल्प को तो नहीं लिया गया था, किन्तु भारतीय लोक जीवन में उपस्थित ज्ञान परम्परा, यथा कहानी, खेल, गीत, स्वांग, नाटक, मेला, पर्यावर्णीय चेतना को स्थान दिया गया था। इसका मूल लक्ष्य था-शिक्षा को जमीन और जीवन दर्शन से जोड़कर आनन्ददायी और गुणावत्तापूर्ण बनाना ! यह स्वतंत्र रूप से सोचने, सावल करने और नए विचारों को प्रोत्साहित करने के प्रयत्न पर आधारित थी। इसका सम्बन्ध केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं था, बल्कि गिजुभाई बधेका और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक दर्शन से अनुप्रेरित यह बच्चों को तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने की ध्येयता पर आधारित थी। बाद में 2002 में संविधान के 86 वां संशोधन करके शिक्षा को 6 से 14 साल के बच्चों के लिए मौलिक अधिकार भी बना दिया गया था। यह राजग की एक महत्वाकांक्षी परियोजना थी। इसके अन्तर्गत एक मैत्रीपूर्ण विद्यालय उपलब्ध कराने का संकल्प था, जहां सभी बच्चे सामाजिक, आर्थिक एवं लैंगिक भेदभाव से मुक्त होकर भयरहित वातावरण में बालकेन्द्रित गतिविधियों के जरिए सीखने के लिए उत्साहित हों।

इसे धरातल पर उतारने के लिए विकास खण्ड स्तर पर संसाधन केन्द्रों की स्थापना हुई थी, जो ट्रैक बदलती शिक्षा के अनुरूप कौशल एवं दक्षता संवर्द्धन के प्रशिक्षण के निमित्त विकसित किए गए थे। इसके संचालन के लिए अध्यापकों को 'समन्वयक' और 'सह समन्वयक' के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके पीछे धारणा यह थी कि शिक्षा की नई प्रविधि के क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण और अनुश्रवण का दायित्व यदि अध्यापकों पर होगा तो इसका बेहतर प्रतिफल मिलने की संभावना हो सकती है। नतीजतन क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी का दायित्व प्रशासनिक और निर्माण सम्बन्धी कार्यों तक सीमित हो गया।

समन्यवक और सह समन्यवक को शैक्षिक गुणवत्ता संवर्द्धन के मोर्चे पर तैनात हो गये। पहले 'डीपीईपी' और बाद में 'सर्व शिक्षा अभियान' के दिनों में इस व्यवस्था के तहत अध्यापकों को 'साधन', 'बालिका शिक्षा', 'नेतृत्व क्षमता सम्बर्धन', 'समेकित शिक्षा', 'सतत मूल्यांकन', 'विषयवार शिक्षण प्रशिक्षण' जैसे समय-समय पर कई प्रशिक्षण दिये गये थे। परिणामतः शिक्षकों की पेशेवर दक्षता में वृद्धि हुई।

वह परम्परागत मारपीट भरी दंडात्मक प्रणाली से इतर आनन्दपूर्ण बाल केन्द्रित शिक्षण की दिशा में प्रवृत होने लगे। इस प्रक्रिया में विद्यालय के बेहतर संचालन और प्रबन्धन में समुदाय की नेतृत्वकारी भूमिका भी सुनिश्चित की गई थी। इसके सकारात्मक परिणाम भी आने लगे थे। बच्चों के नामांकन में वृद्धि दिखी। उपस्थिति में बढ़ोत्तरी भी दर्ज हुई। बीच में स्कूल छोड़ने यानी ड्रॉप आउट का रेट काफी घट गया। इस सत्य से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता है कि मध्यान्ह भोजन, गणवेश, छात्रवृति, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक आदि भी सरकारी स्कूलों में नामांकन में वृद्धि के कारक रहे होंगे। किन्तु आज के वैश्विक समाज के दौर में प्राथमिक का लक्ष्य प्रवेश तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका गुणवत्ता और कौशलयुक्त होना आवश्यक है। सन 2010 में 'मुफ़्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम-2009' अधिसूचित होकर लागू हुआ था। इसमें पठन-पाठन में गुणवत्ता पर विशेष जोर था। शिक्षा की अनिवार्यता का दायित्व पालकों पर न होकर सरकारों पर था। यह बच्चों में शारीरिक दंड के भय, भावात्मक और मानसिक दबावों को कानूनन निरुद्ध करता है। किन्तु शिक्षा का सार्वभौमीकरण और गुणवत्ता आज भी एक सपना बना हुआ है।

वास्तव में 'मुफ़्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम' के लागू होने के साथ ही 'विकास खण्ड संसाधन केंद्र' की भूमिका को खण्ड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय तक सीमित कर दिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में, शिक्षकों द्वारा, शिक्षा के हितार्थ चल रही पूरी शैक्षिक प्रक्रिया का नवाचार इसके अंतर्गत डेढ़ सदी पुरानी अधिकारियों वाली व्यवस्था के अधीन हो गया। आर.टी.ई.-2010 ने तमाम सदइच्छाओं के बावजूद एक समावेशी नवाचार को त्यागकर अपनी राह में समस्याओं के पहाड़ खड़े कर लिए हैं।

एक व्यवस्था जो ढंग से चल रही थी, उसे समाप्त करके पुनः पुरातनता की दिशा में जाना, एक तरह से शिक्षा के साथ बचकाना व्यवहार है। शिक्षा को दिशा, गति और प्रोत्साहन के तौर-तरीकों को सरकारों के आने-जाने के क्रम में नहीं देखा जाना चाहिए, किन्तु संप्रग-2 की सरकार में यही हुआ था। परिणाम स्वरूप शिक्षा में गतिरोध पैदा होने लगा। नई शिक्षा नीति में शिक्षा एक मानवाधिकार की श्रेणी में आ गई है। इसका क्रियान्वयन तभी सफल हो सकेगा, जब कार्यकारी मशीनरी का संस्कार यांत्रिकता से मुक्त और समावेशी होगा।

बोध कथा

नेकी का फल

एक गांव में नीलू नाम का लड़का रहता था। नीलू गरीब था, लेकिन उसका दिल बड़ा ही उदार था। वह गरीबों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहता था। एक दिन, नीलू ने अपने गांव के एक साधु को देखा जो गहन तपस्या कर रहे थे। नीलू ने साधु के पास जाकर प्रणाम किया और पूछा- बाबा, आप इतनी कठिन तपस्या क्यों कर रहे हैं? साधु ने हंसते हुए कहा बेटा, मैं इस तपस्या से आत्मा को शुद्ध कर रहा हूं और मुक्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहा हूँ।

नीलू ने सोचा- बाबा तो इतनी तपस्या कर रहे हैं, मुझे भी कुछ करना चाहिए। उसने तय किया कि वह भी तपस्या करेगा। नीलू ने अपने गांव के पास एक पुराना वृक्ष देखा, जिस पर कुछ बर्फबारी के कारण पौधे सूख गए थे। उसने वहां जाकर उसे पानी देना शुरू किया। हर दिन, वह उस वृक्ष के पास जाकर पानी देता और उसका ध्यान रखता। कुछ महीनों बाद, वृक्ष में फिर से हरी-भरी पत्तियां उगना शुरू हो गईं। नीलू का दिल खुशी से भर गया। एक दिन, जब वह साधु के पास गया और उसने अपनी कठिन तपस्या के बारे में बताया तो साधु ने उसके प्रयास को सराहा।

उन्होंने नीलू को सिखाया कि हर कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और नेकी का फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है। नीलू ने इस अनुभव से सीखा कि कर्म बोध का मतलब है कि हमें अपने कर्मों को ईमानदारी से करना चाहिए, चाहे हमारे पास जितने भी संघर्ष हों। उसने अपने कर्मों में सच्चाई और ईमानदारी लाने का संकल्प लिया और देखा कि नेकी का फल कभी न कभी जरूर मिलता है। इससे हमें सीखने को मिलता है कि अपने कर्मों का दायित्व समझना चाहिए और सही तरीके से करना चाहिए, चाहे हमें उनमें संघर्ष का सामना करना पड़े।

कर्म बोध का मतलब है कि हमें अपने कर्मों को समर्पण और समर्थन के साथ करना चाहिए। इससे हमें अंत में सफलता और आनंद मिलता है। यही आनंद जीवन में खुशी प्रदान करता है और दूसरों की दुआओं के पात्र बन जाते हैं। कर्मों में सच्चाई-सफाई हमें ईश्वर के करीब ले जाती है। हम प्रभु के पात्र बन जाते हैं। जीवन आसान हो जाता है।

नजरिया

मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

मुकुंद

आज दुनिया में भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र (औषधि विज्ञान) की छवि तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के आह्वान से यह इंडस्ट्री पहले से कई गुना सुदृढ़ हुई है। यही नहीं भारत पिछले छह-सात वर्षों से यूनिसेफ का सबसे बड़ा वैक्सीन आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत ने इस अवधि में यूनिसेफ की कुल खरीद में 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत योगदान दिया। आज का नया भारत क्रमशः डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की मांग का 99 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पूरा करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का औषध विभाग सस्ती दवाओं की कीमत, उपलब्धता, अनुसंधान, विकास और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करता है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीबीआई) की वेबसाइट में 13 अप्रैल को इस आशय के आंकड़े साझा किए गए हैं। इनमें कहा गया है कि भारत को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं का विश्व का सबसे बड़ा प्रदाता बनाने का प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण शामिल है। सबसे बड़ा जोर मेक इन इंडिया पर है। भारतीय दवा उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, कम लागत वाली प्रभावी दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और स्वदेशी ब्रांडों के मजबूत नेटवर्क में इसके प्रभुत्व को दर्शाता है। इसमें चिकित्सा उपकरण उद्योग के कई क्षेत्र अत्यधिक पूंजी-प्रधान हैं। वह इसलिए कि इस क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का निरंतर समावेशन किया जाता है। इसमें मदद के लिए औषध विभाग सरकारी अनुमोदन के माध्यम से एफडीआई प्रस्तावों पर एफडीआई नीति के अनुसार अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए विचार करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक एफडीआई प्रवाह (फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों दोनों में) 11,888 करोड़ रुपये रहा है । इसके अलावा, औषध विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी ।

भारत सरकार की 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने भी इसमें क्रांतिकारी पहल की है। पीएलआई का प्रमुख उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात बढ़ाना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप यह योजना उत्पादन में प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 फरवरी 2021 को मंजूरी दी थी। इसका वित्तीय परिव्यय 15,000 करोड़ रुपये है। यह तीन श्रेणियों के तहत पहचाने गए उत्पादों के उत्पादन के लिए 55 चयनित आवेदकों को छह साल की अवधि के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है । इस योजना में कैंसर रोधी और ऑटो इम्यून जैसी दवाओं का उत्पादन शामिल है। पीएलआई के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्षित निवेश को पार करना है। प्रारंभिक प्रतिबद्धता 3,938.57 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वास्तविक प्राप्त निवेश पहले ही 4,253.92 करोड़ रुपये (दिसंबर 2024 तक) तक हासिल हो चुका है। इसके अलावा मार्च 2020 में स्वीकृत बल्क ड्रग पार्क योजना (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26) का उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करने और बल्क ड्रग्स में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सामान्य बुनियादी ढांचे वाले पार्क स्थापित करना है। इस योजना के तहत गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को मंजूरी दी दी जा चुकी है। वित्तीय सहायता प्रति पार्क 1,000 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 70 फीसद (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90 फीसद) तक सीमित है।इसका कुल परिव्यय 3,000 करोड़ रुपये है।

और सबसे खास प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना है। इसका लक्ष्य पूरे देश में किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके तहत लोगों को समझाया जा रहा है कि इन दवाओं के उत्पादन में गुणवत्ता से कई समझौता नहीं किया जाता। यह धारणा गलत है कि महंगी दवा का मतलब बेहतर प्रभाव होता है। सरकारी अस्पतालों में बीमारी का प्रभावी विकल्प लिखने में जेनेरिक दवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। अच्छी बात यह है कि आठ अप्रैल, 2025 तक देश भर में कुल 15,479 जन औषधि केंद्र हैं। करोड़ों लोग इनके माध्यम से सस्ती दवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर जागरुकता फैलाने के लिए अभियान शुरू करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को कहा कि पार्टी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए जल्द ही शहर में एक अभियान शुरू करेगी ताकि इस पर पार्टी के रुख के लिए समर्थन जुटाया जा सके।

सचदेवा ने कहा कि इस अभियान को दिल्ली के हर घर तक ले जाया जाएगा और एक जन जागरुकता आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसमें बताया जाएगा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' (ओएनओई) से समाज और राष्ट्र को कैसे लाभ मिल सकता है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल द्वारा दिल्ली इकाई कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद और विधायक शामिल हुए।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि उन्हें बंसल से बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को राष्ट्रीय अभियान बनाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से देश के विकास में बाधा आती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''पिछले 30 वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होते हैं और हर पांच साल में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी होते हैं। इससे चुनावी प्रक्रिया जटिल हो जाती है। ओएनओई एक राष्ट्रीय आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव के माध्यम से हम देश का समय, धन और संसाधन बचाकर एक विकसित राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं।

माही श्रीवास्तव और गोल्डी यादव का लोकगीत मछरिया रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और गायिका गोल्डी यादव का भोजपुरी लोकगीत 'मछरिया' रिलीज हो गया है। लोकगीत मछरिया वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।इस लोकगीत को गोल्डी यादव ने गाया है।वहीं इस गाने के वीडियो में माही श्रीवास्तव अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर रही हैं।गाने को लेकर माही श्रीवास्तव ने कहा कि यह गाना इतना मजेदार है कि मैं शब्दों में बयाँ नहीं कर सकती हूं। इस गाने का सिच्युएशन बहुत ही मस्त है। गाने में परफॉर्म करके मुझे बहुत मजा आया है। इसके वीडियो में मेरी और नील स्टार की केमिस्ट्री लोगों को बहुत पसंद आ रही है। इसके लिए सभी को दिल से थैंक यू।'

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी लोकगीत 'मछरिया' का निर्माण निर्माता रत्नाकर कुमार ने किया हैं। इस गाने पिंकू बाबा ने लिखा है। गाने का संगीत विनय विनायक ने दिया है। वीडियो डायरेक्टर गोल्डी जायसवाल, डीओपी राजन वर्मा, कोरियोग्राफर सनी सोनकर, एडिटर आलोक गुप्ता, डीआई रोहित सिंह ने किया है। इस गाने का राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के पास है।

इस्तीफा दें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री, या लगे राष्ट्रपति शासन : उप्र के मंत्री नितिन अग्रवाल

हरदोई (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुए दंगों पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को कहा कि इस घटना के लिये राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिये, या फिर वहां राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाना चाहिए।

अग्रवाल ने यहां 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में लोगों को मारा जा रहा है, लूटा जा रहा है और लोग मजबूरन पलायन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसके बावजूद वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक भी शब्द नहीं कहा और वह 'तुष्टिकरण' की हद पार कर चुकी हैं। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सरकार मुर्शिदाबाद दंगों के मामले में कार्यवाही करने के बजाय दोषारोपण कर रही है और वहां वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति की खातिर लोगों को मरने के लिये छोड़ दिया जा रहा है।

मंत्री ने मांग करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या तो इस्तीफा दे दें अन्यथा वहां राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। अग्रवाल ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ''हम सब कानून के दायरे में रहकर काम करते हैं। सरकार भी कानून के दायरे में रहकर काम करती है लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बिना डंडे के नहीं मानते हैं।

राज और उद्धव के बीच सुलह की अटकलों के बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर भड़के शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उद्धव और राज ठाकरे के बीच सुलह की अटकलों पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नाराज हो गए और एक संवाददाता से कहा कि उन्हें इसके बजाय सरकार के काम के बारे में बात करनी चाहिए।

शनिवार को जब शिंदे सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दरे में थे, तो टीवी मराठी के एक संवाददाता ने उनसे शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के बीच सुलह की अटकलों पर प्रतिक्रिया देने का अनुरोध किया। इसपर, शिंदे चिढ़ गए और उन्होंने संवाददाता की बात अनुसनी कर दी।

शिवसेना नेता ने कहा, काम के बारे में बात करें। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने कहा कि यह तो जाहिर सी बात है कि शिंदे नाराज होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा। राउत ने पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस अपना गुस्सा नहीं दिखाएंगे, लेकिन इसे लेकर उनके पेट में मरोड़ देते रहेगा। हम जानते हैं कि भाजपा की खुशी कितनी झूठी है। वे यह (गठबंधन) नहीं चाहते हैं। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा था, अगर वे साथ आते हैं, तो हमें खुशी होगी। अलग-थलग पड़े लोगों को साथ आना चाहिए, और अगर उनके विवाद खत्म हो जाते हैं, तो यह अच्छी बात है....मुझे लगता है कि मीडिया बहुत ज्यादा अटकलें लगा रहा है, इसलिए कुछ समय तक इंतजार करना बेहतर है।

यह पूछे जाने पर कि क्या इसका बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों पर असर पड़ेगा, तो उन्होंने कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आसानी से चुनाव जीत जाएगा। राज ठाकरे ने फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर को दिए साक्षात्कार में कहा कि उन्हें अविभाजित शिवसेना में उद्धव के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं थी। इस बयान के बाद सुलह की अटकलें शुरू हो गईं। राज ठाकरे ने कहा कि सवाल यह है कि क्या उद्धव उनके साथ काम करना चाहते हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच संभावित सुलह की अटकलों को हवा देते उनके बयानों से संकेत मिलता है कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के कटु मतभेद के बाद हाथ मिला सकते हैं। जहां एक ओर, मनसे प्रमुख ने कहा है कि 'मराठी मानुष' के हित में एकजुट होना कठिन नहीं है, तो वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह छोटी-मोटी लड़ाइयां भूलने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को तरजीह न दी जाए।

नेपाल में राजतंत्र समर्थक दल आरपीपी ने राजशाही बहाल करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

काठमांडू/भाषा। नेपाल में राजतंत्र समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजशाही बहाल करने और देश को ''हिंदू राष्ट्र'' घोषित करने की मांग को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री आवास और संसद भवन के पास प्रदर्शन किया। आरपीपी के करीब 1,500 समर्थक बिजुलीबाजार-बनेश्वर क्षेत्र में एकत्र हुए और गणतंत्र मुर्दाबाद, हमें राजशाही वापस चाहिए और नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करो जैसे नारे लगाए। उनके हाथों में इन नारों वाले बैनर और पोस्टर भी थे।

प्रदर्शन का नेतृत्व आरपीपी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन, वरिष्ठ नेता पशुपति शमशेर राणा और नेपाल के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ध्रुव बहादुर प्रधान सहित अन्य नेताओं ने किया। प्रदर्शनकारियों के निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करने की घोषणा करने के बाद, काठमांडू के नया बनेश्वर, बिजुलीबाजार, मैतीघर, भद्रकाली और बालुवाटार क्षेत्रों में दंगा नियंत्रण पुलिस के हजारों कर्मियों को तैनात किया गया था।

सरकार ने काठमांडू में कई स्थानों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है, जिनमें नया बनेश्वर स्थित संसद भवन के आसपास का क्षेत्र भी शामिल है। आरपीपी के कम से कम सात नेताओं और कार्यकर्ताओं को, जिनमें पार्टी अध्यक्ष लिंगदेन, उपाध्यक्ष बुद्धिमन तमांग और प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र शाही शामिल थे, उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वे प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक एपिल बोहरा ने कहा, ''पर्चे बांटने और नारे लगाने की कोशिश करने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।''

स्टार प्लस के शो 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' से टीवी पर डेब्यू करेंगी अफिया तैयब अली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री अफिया तैयब अली स्टार प्लस के नये शो कभी नीम नीम कभी शहद शहद से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं।

स्टार प्लस नया शो 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' लेकर आ रहा है। यह एक ऐसा शो है,जो ज़िंदगी के कड़वे-मीठे पलों से गुजरते हुए एक दिल छू लेने वाली जर्नी का वादा करता है। इस शो से अफिया तैयब अली टीवी पर डेब्यू कर रही हैं। वह इस शो में 'कथा' का किरदार निभा रही हैं। अफिया ने कहा, कथा अपनी संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। उसे पुराने बॉलीवुड गानों में सुकून मिलता है, वह अपने मूल्यों को थामे रखती है और मानती है कि कायनात का सबसे छोटा सा भी इशारा उसके रास्ते को सही दिशा दे सकती है।कथा देखने में भले ही मासूम और प्यारी लगे, लेकिन उसकी सोच बहुत मजबूत है। वह सही के लिए खड़ी होती है और अपने अपनों की पूरी शिद्दत से हिफाजत करती है।शो के हर किरदार की अपनी एक अलग खासियत है, और मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शकों को इनमें से कोई न कोई किरदार ज़रूर अपना सा लगेगा। ये एक दिल से जुड़ी, पूरी तरह सुकून देने वाला सफर है। कभी नीम नीम कभी शहद शहद सिर्फ स्टार प्लस पर 21 अप्रैल से हर रात सात बजे सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

2025 में चार फिल्मों के साथ धमाकेदार डेब्यू करेंगी अकांक्षा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री अकांक्षा शर्मा इस वर्ष धमाकेदार डेब्यू करने जा रही हैं। भारतीय सिनेमा 2025 में एक नए और प्रतिभाशाली चेहरे का स्वागत करने के लिए तैयार है, जब अकांक्षा शर्मा चार बहुप्रतीक्षित फिल्मों के साथ अपने बॉलीवुड करियर की शानदार शुरुआत करेंगी। उनकी पहली फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' है, जिसमें वे अमन इंद्र कुमार के साथ नजर आएंगी। इस भावनात्मक एंटरटेनर का निर्देशन मिलाप जावेरी कर रहे हैं, और यह दोस्ती एवं रिश्तों की गहराई को उजागर करेगा। इस फिल्म के ज़रिए अकांक्षा के अभिनय की बहुमुखी प्रतिभा दर्शकों को देखने मिलेगी। इसके बाद अकांक्षा ऐतिहासिक ड्रामा 'केसरी वीर' में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली जैसे अनुभवी कलाकार होंगे। वीरता और बलिदान की इस गाथा में अकांक्षा का किरदार एक सशक्त और चुनौतीपूर्ण भूमिका में दिखाई देगा, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। अकांक्षा की फिल्मी यात्रा यहीं नहीं रुकती। वे एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म में भी नजर आएंगी, जिसका निर्देशन भी मिलाप जावेरी कर रहे हैं और जिसकी शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसके अलावा, वह एक रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म में भी काम करेंगी, जिसका निर्देशन रेमो डिसूजा करेंगे और स्क्रिप्ट मिलाप जावेरी ने लिखी है,जिसकी झलक मिलाप ने सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीर साझा करते हुए दी थी।

एक छोर पर विकेट नहीं गंवाने का फायदा मिल रहा है : कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। अपनी सोची-समझी पारी से एक बार फिर लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने वाले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि एक छोर को संभालकर रखने और अन्य खिलाड़ियों के अपने सामान्य आक्रामक अंदाज में खेलने की रणनीति रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए अच्छी तरह से काम कर रही है।

आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली की 54 गेंद में नाबाद 73 रन की पारी से सात विकेट से जीत दर्ज की जो टीम की विरोधी के मैदान पर पांच मैच में पांचवीं जीत है। आरसीबी ने यह जीत इसी टीम के खिलाफ 48 घंटे से भी कम समय पहले मिली हार के बाद दर्ज की है।

कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (61) के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की नींव रखी और इस दौरान सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा। आरसीबी की टीम अब 10 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। कोहली ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि देव (पडिक्कल) ने आज अंतर पैदा किया, यह पुरस्कार (मैन ऑफ द मैच) उसे मिलना चाहिए, मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह मुझे क्यों दिया। मैं तेजी से रन बना सकता हूं लेकिन मैं अन्य खिलाड़ियों की ताकत को समझना चाहता हूं। इस समय एक छोर संभाले रखना हमारे लिए कारगर साबित हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमने खुद को अच्छी तरह से तैयार किया है। देव मेरे इर्द-गिर्द खेल सकते हैं, शायद रजत (पाटीदार) मेरे इर्द-गिर्द खेल सकते हैं। हमेशा एक ही तरह से आगे बढ़ने का लोभ रहता है। हम जानते हैं कि टी20 क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करने के लिए एक साझेदारी ही काफी होती है। अगर जरूरत पड़ी तो मैं तेजी से रन बना सकता हूं।''

कोहली ने अब तक आईपीएल में 8,326 रन बनाए हैं और मौजूदा सत्र में आठ मैच में 322 रन बना चुके हैं। उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच था। जब आप आठ (अंक) से 10 पर पहुंचते हैं तो इससे बहुत फर्क पड़ता है। हमने घर से बाहर कुछ बेहतरीन क्रिकेट खेली है। हमारी मानसिकता हर मैच में दो अंक हासिल करने की होनी चाहिए।'' कप्तान पाटीदार रविवार को सिर्फ 12 रन बनाकर कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाए लेकिन उन्होंने कहा कि पडिक्कल और कोहली दोनों ने टीम की रणनीति को बखूबी अंजाम दिया। पाटीदार ने कहा, ''सारा श्रेय गेंदबाजों को जाता है। देव और कोहली ने जिस तरह से रणनीति को अंजाम दिया, वह शानदार था। गेंदबाजों के लिए यह एक सरल संदेश था कि वे कड़ी लाइन पर गेंदबाजी करें। जिस तरह से सभी ने अपना प्रयास किया, वह शानदार था। सबसे पहले मुझे वहां (घरेलू मैदान पर) टॉस जीतना होगा। हमने जो भी गलतियां की हैं, हम उन्हें सुधारने की कोशिश करेंगे।'' पडिक्कल ने कहा कि जब कोहली पिच पर दूसरे छोर पर होते हैं तो उन्हें आत्मविश्वास महसूस होता है। उन्होंने कहा, ''बहुत मेहनत की गई है। जब आप कोहली के साथ बल्लेबाजी करते हैं तो आपको वह आत्मविश्वास मिलता है। इससे आपका काम बहुत आसान हो जाता है।'' पडिक्कल ने कहा, ''टीम में बहुत आत्मविश्वास है। हर कोई रन बना रहा है। हमने अपने घरेलू हालात में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है। लेकिन उम्मीद है कि हम कोई योजना बना पाएंगे।'' पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि टीम को अच्छी शुरुआत मिल रही है लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि धीमी घरेलू विकेट भी टीम के लिए मददगार नहीं रही।

अय्यर ने कहा, ''अगर आप अधिकतर बल्लेबाजों को देखें तो वे पहली गेंद से ही रन बनाना पसंद करते हैं। हम जो शुरुआत कर रहे हैं उसका फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। विकेट धीमा होता जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''बीच के चरण में भी हमें लगा कि हम गेंदबाजों का सामना कर सकते हैं। इसका श्रेय विराट और लड़कों को जाता है। हम विकेट के हिसाब से ढलने के बारे में बात करते रहते हैं। मध्यक्रम के कुछ बल्लेबाजों को आगे आकर जिम्मेदारी लेनी होगी, उन्हें मुश्किल हालात का सामना करना होगा।'' अय्यर ने कहा, ''मैं मानसिक रूप से बहुत अच्छी स्थिति में हूं। बस मुझे 10 रन बनाने हैं। मुझे बस खुलकर खेलना है। हमें छह दिन का ब्रेक मिला है इसलिए यह जरूरी है कि हम फिर से अपनी रणनीति पर काम करें। अपने शरीर का भी आकलन करना जरूरी है।''

क्रिस्टेंसन 'अहोसा' सीजन-2 में एनाकिन स्काईवॉकर के रूप में करेंगे वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉस एंजेल्स/एजेन्सी। 'स्टार वार्स' अभिनेता हेडन क्रिस्टेंसन 'अहोसा' के आगामी सीजन-2 में एनाकिन स्काईवॉकर के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं।

कनाडाई अभिनेता ने हाल ही में आयोजित 'स्टार वार्स सेलिब्रेशन' के दौरान टोक्यो में इस खबर की पुष्टि की। अमेरिकी पत्रिका वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार सीरीज स्टार रोसारियो डॉस की। अमेरिकी पत्रिकार वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार सीरीज स्टार रोसारियो डॉसन, निर्माता डेव फिलोनी और कार्यकारी निर्माता जॉन फेवर्यू के बीच एक पैनल के दौरान क्रिस्टेंसन ऑफ-स्टेज से बाहर आए और तीनों के साथ चर्चा शामिल हुए। उन्होंने कहा,मैं बहुत कुछ साझा नहीं कर सकता, लेकिन इतना कहना चाहूंगा कि एनाकिन सीजन-दो में वापस आऊंगा।

'ठग लाइफ' में आज की ध्वनि गुणवत्ता है, 'नायकन' का जादू भी : रहमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। भारतीय सिनेमा के दिग्गज संगीतकार और ऑस्कर विजेता ए.आर.रहमान का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'ठग लाइफ' में आज की ध्वनि गुणवत्ता है और 'नायकन' का जादू भी है।

मणिरत्नम ने कमल हासन को लेकर वर्ष 1987 में फिल्म नायकन बनाई थी।वहीं 37 साल बाद यह जोड़ी फिल्म 'ठग लाइफ' में काम कर रही है। दिग्गज संगीतकार ए.आर.रहमान ने फिल्म ठग लाइफ का संगीत तैयार किया है।फिल्म ठग लाइफ का पहला गाना जिंगुचा हाल हीं में रिलीज हुआ है।जिंगुचा के भव्य अनावरण के अवसर पर रहमान ने कमल हासन और मणिरत्नम के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की।

रहमान ने कहा,एक दिन कमल हसन ने मुझे फोन किया और कहा, 'मुझे तुम्हारी पूरी तरह से फॉर्म में रहने की जरूरत है।' और मुझे समझ में आ गया कि वह अपनी फिल्म के लिए कितना काम कर रहे हैं। इस दौरान कमल हासन ने तुरंत ही बीच में टोकते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि रहमान कभी पूरी तरह से फॉर्म में नहीं रहते, लेकिन मैं उन्हें यह बताना चाहता था कि हम सभी हमेशा सर्वश्रेष्ठ देने की उनकी कोशिश में साथ हैं।मुझे लगता है कि कमल सर ने अपने करियर में हर संभव कोशिश की है। जब मैं ठग लाइफ के हर दृश्य के लिए संगीत बना रहा होता हूं, तो ऐसा लगता है कि वह मेरी ओर देख रहे हैं और पूछ रहे हैं कि मैं क्या करूंगा। बेशक, यह प्रतिष्ठित 'नायकन' के बाद मणिरत्नम और कमल के बीच एक पुनर्मिलन है, लेकिन यह 'नायकन' से बहुत अलग है, और इसलिए मुझे वह दबाव महसूस नहीं हुआ। फिल्म ठग लाफ काफी आगे की सोच वाली है, इसमें आज की ध्वनि गुणवत्ता है और फिर भी इसमें 'नायकन' का जादू है। रहमान ने कहा, हर बार जब मैं किसी सीन के लिए संगीत तैयार करता था, तो ऐसा लगता था कि कमल जी मुझे अपने संगीत के साथ अपने प्रदर्शन को मिलाने की चुनौती दे रहे हैं।ठग लाइफ, मणिरत्नम और कमल हासन की पिछली फिल्म नायकन जैसी नहीं होगी।यह फिल्म उनके पुनर्मिलन को चिह्नित कर सकती है, लेकिन यह नायकन जैसी बिल्कुल नहीं होगी। वह फिल्म कमल जी, मणि रत्नम और श्री इलैयाराजा के बीच एक क्लासिक सहयोग थी। श्री इलैयाराजा ने अद्भुत काम किया है।शुरू में, जब मणिरत्नम ने ठगलाइफ की कहानी सुनाई, तो मैंने सोचा कि मैं इसे भावनात्मक रखूंगा। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, उन्होंने इसे एक भावुक प्रेम गीत में बदल दिया, और यह विशेष बन गया। इसलिए मणि ने जो चुना वह सोने जैसा है।मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूँ और मैं बहुत उत्साहित हूँ। मैं पिछले चार महीनों से अभी भी स्कोर कर रहा हूँ, हर दिन मैं कुछ न कुछ करता हूँ, इसे मणि सर को भेजता हूँ और कहता हूँ कि यह अच्छा है या नहीं। गौरतलब है कि फिल्म ठग लाइफ को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।फिल्म का संगीत लेजेंडरी म्यूजीशियन एआर रहमान ने दिया है। फिल्म ठग लाइफ, तीन दिग्गज मणि रत्नम, कमल हासन और ए.आर. रहमान के साथ पहली बार एक साथ आने के कारण इतिहास बनाने के लिए तैयार है। फिल्म ठग लाइफ में मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के कलाकार नज़र आएंगे, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक बनाता है।कमल हासन, मणि रत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत निर्मित फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन, सिलंबरासन टीआर, त्रिशा, नासिर, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, महेश मांजरेकर अली फजल, वैयापुरी और अन्य प्रमुख भूमिकाएँ हैं। यह फिल्म 05 जून को दुनिया भर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 21-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

श्रावक के 12 व्रतों में अदत्तादान विरमण तीसरा व्रत है जो जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। श्रावक वर्ग बड़ी चोरी का त्याग करते हैं जिससे नैतिकता और प्रामाणिकता में वृद्धि हो सकती है। अदत्तादान से बचना केवल एक धार्मिक नियम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और मानवीय मूल्यों का आधार भी है। यह व्रत हमें ईमानदारी, परिश्रम और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना सिखाता है।

जैन रत्न युवा परिषद की परोपकारी समिति ने पिंजारापोल में की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जैन रत्न युवा परिषद, तमिल के तत्वावधान में रविवार को कुन्नूर हाई रोड अयनावरम में स्थित पिंजारापोल में गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज श्रावक संघ के अध्यक्ष पदमचंद बागमार, सचिव अनोपचंद बागमार, बाबूधनपत सुराणा, निवर्तमान कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कांकरिया, महावीर कर्णावत, वीरेन्द्र कांकरिया, श्राविका मंडल की अध्यक्ष शशि कांकरिया, सचिव दीपिका बागमार, रुवि सुराणा, युवा परिषद के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल कार्यप्रमुख अभय सुराणा, सचिव माकन कांकरिया आदि सदस्यों ने गोसेवा की। सचिव मनोज कवाड सभी को धन्यवाद दिया। नरेंद्र कांकरिया ने बताया कि युवा परिषद् के तत्वावधान में परोपकार एवं समाज सेवा समिति के कार्यकर्ता मासिक परोपकार के कार्यों में सक्रिय है ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई प्रवास पर आए राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर चेन्नई में संघवी किरण देवीचन्द कांकरिया के निवास पर पहुंचे जहां कांकरिया परिवार ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर शिक्षामंत्री ने राजस्थान में हो रहे शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य के बारे में जानकारी दी।

एकता में शक्ति होती है और एकता से सफलता मिलती है : उपप्रर्वतक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बतूर। शहर के फूल मार्केट स्थित षणमुगा थियेटर रोड के कवाड़ भवन में रविवार को श्रमण संघीय उप प्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी श्री दर्शन प्रभाजी आदि का प्रवचन हुआ। धर्मसभा में प्रवचन देते हुए नरेश मुनिजी ने श्रावक जीवन के कर्तव्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गुरुदेव ने कहा कि कोयंबतूर के श्रावक बहुत अच्छे धार्मिक कार्य करते है। उन्होंने कहा कि एकता में शक्ति होती है और जिस समाज व संघ में एकता होती है वहां हर कार्य सफल होता है। मुनि शालिभद्रजी ने जैन धर्म की विशेषता और एकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें कभी भी अपने मूल सिद्धांत व धर्म को नहीं भूलना चाहिए। धर्म हमारी आस्था का केन्द्र बिन्दु है। इस कार्यक्रम के लाभार्थी रायचन्द दिनेशकुमार जैन परिवार सहित बड़ी संख्या में विभिन्न जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते हुए विहिप ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल हुब्बल्ली महानगर ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनके उत्पीड़न की घटनाओं के कारण राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई। विहिप प्रांत विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख अशोक अन्चेकर ने कहा कि बंगाल, जो कभी स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद की भूमि रही है, वहां आज हिंदुओं की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। विश्व हिंदू परिषद हुब्बल्ली महानगर के सेवा प्रमुख सुभाषचंद्र डंक ने मांग की कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। प्रदर्शन के दौरान विहिप धारवाड़ विभाग के गौरक्षा प्रमुख विजय क्षीरसागर, हुब्बल्ली महानगर के सचिव रघु एलक्कनवर, बजरंग दल के संयोजक गंगाधर संगम शेट्टर, विहिप महानगर के सम्पर्क प्रमुख विवेकानन्द मोकाशी, सचिन पाटिल, एलप्पा बागलकोट, केशव बदनत्ती, तोटाप्पा निद्दुणडी, वीणा चालुवल्ली, चिदानंद सहित अन्य उपस्थित थे।

अर्हम विहार ग्रुप ने मनाया आठवां वार्षिकोत्सव समारोह

साध्वी सयंमपूर्णाश्री ने दिया मार्गदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबतूर। शहर के आरएस पुरम स्थित शंखेश्वर जैन मंदिर में रविवार को अर्हम विहार सेवा ग्रुप ने अपनी स्थापना का वार्षिकोत्सव साध्वीश्री संयमपूर्णाश्रीजी की निश्रा में मनाया। ग्रुप के अध्यक्ष रमेश कोठारी ने सभी का स्वागत किया। ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य निलेश शाह ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और उन्होंने बताया कि गत 8 वर्ष से साध्वीश्री की प्रेरणा से ग्रुप विभिन्न साधु साध्वियों की विहार व वैयावच्च सेवा करता आ रहा है।

साध्वीजी ने कहा कि आज इस ग्रुप की सफलता व वार्षिकोत्सव में सभी कल्याण मित्रों का पूर्ण योगदान है। साध्वीश्री विहार ग्रुप को और बेहतरीन तरीके से संचालित करने क लिए अनेक सुझाव दिए व तरीके बताए। कार्यक्रम में सुपार्श्वनाथ मंदिर के गुलाबचन्द मेहता, शंखेश्वरर मंदिर के सचिव हंसमुख जैन, एसएसजेएसएम सेवा मंडल से अध्यक्ष निखिल मेहता,अरिहंत मंडल के कैप्टन आशीष जैन, केडीओ जैन संघ से भावेश जैन, बेंगलूरु के हितेश जैन और साध्वीश्री के संसारिक परिजन किशोर जैन आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में संतों के विहार के दौरान पुलिस प्रशासन के सहयोग वाले सुझाव पर चर्चा हुई तथा कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

गुणानुवाद व जीवदया के कार्य करके मनाई आचार्यश्री जयंतसेनसूरी की पुण्यतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी की आठवीं वार्षिक पुण्यतिथि शहर के राजेंद्र भवन के प्रांगन में पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई गई।

संतश्री की स्मृति में जीवदया अभियान के तहत मरीना बीच पर कबूतरों को दाना, कुत्तों को दूध और रोटी एवं मद्रास पिंजरापौल में गोसेवा की गई। इसके अलावा साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में राजेन्द्र भवन में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर गुरुदेव के चित्र पर वासक्षेप पूजा व माल्यार्पण किया गया तथा आरती की गई। इस मौके पर साध्वीश्री ने गुरुदेव के गुणों का गुणगान किया। दोपहर में सामायिक व पूजा का आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं सहित जयंतसेन सूरीश्वरजी फाउंडेशन के सदस्यों ने भाग लिया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के नेशनल जनरल हॉस्पिटल के बाहर गणेश मंदिर के पास अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 1100 से अधिक लोगों को बादाम दूध, खिचड़ी आदि का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम निर्मल मरलेचा और अशोक पिपाडा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तमिलनाडु जैन महामंडल के सदस्य भी शामिल हुए।

जयमल जैन संस्कार शिविर में संतों द्वारा हो रहा है संस्कारों का बीजारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रजी के सान्निध्य में चल रहे 79वें जयमल जैन संस्कार कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए पदमचंद्रजी ने कहा कि श्रावक के 12 व्रतों में अदत्तादान विरमण तीसरा व्रत है जो जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। श्रावक वर्ग बड़ी चोरी का त्याग करते हैं जिससे नैतिकता और प्रामाणिकता में वृद्धि हो सकती है।

अदत्तादान से बचना केवल एक धार्मिक नियम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और मानवीय मूल्यों का आधार भी है। यह व्रत हमें ईमानदारी, परिश्रम और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना सिखाता है। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के मुखारविंद से शिविरार्थियों ने अनेकानेक त्याग, व्रत, प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

प्रवचन की श्रृंखला में जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी ने कहा कि व्यक्ति को यदि जीवन में सफलता प्राप्त करनी हो तो पांच बातों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। स्वास्थ्य, रिश्ते, धन का प्रबंधन, अध्यात्म और आजीविका का स्रोत मजबूत करना चाहिए। उन्होंने अनेक उदाहरणों के माध्यम से शिविरार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रवचन के पश्चात् राकेश भंसाली, पवन बेताला ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

कमल खटोड़ ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए भाव प्रस्तुत किए। उर्मिला, सरोज भूरट ने भजन गाया। रीता ललवानी ने गुरु भक्ति गीत गाया, संगीता कावड़िया और उनकी मंडली ने नाटिका प्रस्तुत की। जयमल जैन स्वाध्याय समिति के अध्यक्ष विमलचंद सांखला और मंत्री अशोकचंद खटोड़ ने वर्ष 2024 के पर्युषण पर्व में विभिन्न स्थानों में स्वाध्याय सेवा देने वाले साधकों का सम्मान किया। सायंकालीन सत्र में रायचूर के पीयूष आंचलिया ने बच्चों को सॉफ्ट स्किल्स में पारंगत होने के लिए अनेक गुर सिखाए। जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन के अध्यक्ष चेतन कोठारी, मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपनी सेवाएँ दीं।

नवकार महामंत्र सजाओ प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत दिनों नवकार महामंत्र सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसके पुरस्कार वितरण का कार्य शनिवार को आयोजित किया गया। विजेताओं को प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक कमला सज्जनराज मेहता ने पुरस्कार प्रदान किए। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार तिशा जैन, द्वितीय पुरस्कार मोक्षा जैन, तृतीय पुरस्कार क्रमश: डायनश पालगोटा, योनिक जैन, देव जैन, चतुर्थ पुरस्कार जिया और ख़ुशबु जैन ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को डॉ. दिलीप धींग द्वारा समुद्र तट पुस्तक एवं प्रमाण पत्र भी पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया गया। दिलीप धींग का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पधारे अरुणा मुणोत ने चंदन तिलक की इस प्रतियोगिता की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन चंदन तिलक के संपादक पारस संचेती एवं आर्या संचेती ने किया।

महावीर जैन ग्रुप ने 2500 ग्लास गुलाब पेयजल का वितरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भीषण गर्मी से राहत दिलाने और जनसेवा की भावना को साकार करते हुए शहर के महावीर जैन ग्रुप द्वारा माधवरम स्थित आदिनाथ आशीर्वाद परिसर के सामने शीतल जल सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। जवरीलाल-सुंदरबाई छल्लाणी की स्मृति में आयोजित इस सेवा कार्य में राहगीरों व स्थानीय नागरिकों को गुलाब जल एवं सब्जा मिश्रित ठंडा जल वितरित किया गया। इस आयोजन में लाभार्थी राजकंवर, वसंतकुमार, दिनेशकुमार, श्रमण छल्लाणी सहित महावीर जैन ग्रुप की अध्यक्ष डॉ. निरुमला छल्लाणी, कुसुम फोमरा, सचिव सुनीता भंडारी, अरविंद चोरड़िया व आदिनाथ आशीर्वाद संस्था के अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् गांधीनगर द्वारा आयोजित सात दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का समापन तेरापंथ भवन में हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में आत्मविश्वास भरना, प्रभावी मंच संचालन की कला सिखाना तथा स्पष्ट, संस्कारित एवं प्रभावशाली वक्ता तैयार करना था।साध्वीश्री पावनप्रभाजी व पुण्ययशाजी ने उपस्थितजनों को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि कोई भी कार्य करने से पहले गुरु की आराधना करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने वक्तृत्व कला को जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी बताते हुए अपने विचार रखे। मुख्य राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत के नेतृत्व में कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक कुशल प्रशिक्षण मिला। साथ ही प्रशिक्षकों विनीत सिंघवी, मोनिका गांधी व लता नवलखा ने 7 वंडर्स, मॉक ड्रिल, रोल-मॉडल एवं अनेक प्रकार के भाषण अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों को जानकारी दी।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com